



श्रम साधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 90 ग्वालियर, शनिवार 31 अक्टूबर 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

पहले चरण में 100 गांवों के 500 पशुपालकों को मिलेगा लाभ, योजना पर सालाना 40 करोड़ रुपए खर्च करने की तैयारी

देसी गाय पालने वाले किसानों को हर महीने मिलेंगे 900 रुपए, 15 से शुरू होगी योजना

भोपाल जीएनएस
मध्यप्रदेश सरकार देसी गायों के संरक्षण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए नई योजना शुरू करने जा रही है। इसके तहत चयनित पशुपालकों को हर महीने 900 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर योजना का शुभारंभ करेंगे। योजना के पहले चरण में प्रदेश के 100 चयनित गांवों के पांच-पांच पशुपालकों को शामिल किया जाएगा। इस तरह शुरुआत में 500 पशुपालकों को लाभ मिलेगा। सरकार इस योजना पर सालाना करीब 40 करोड़ रुपए खर्च करने की

तैयारी कर रही है। इसके लिए आगामी द्वितीय अनुपूरक बजट में प्रावधान किया जा सकता है। **छह देसी नस्लों के संरक्षण पर जोर :** योजना के माध्यम से प्रदेश की निमाड़ी, मालवी, केनकथा, गाओलाओ, महाकौशली और गढ़ी-खेरी नस्लों के संरक्षण एवं संवर्धन को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसका उद्देश्य देसी गायों के

पालन को आर्थिक रूप से बढ़ावा देने के साथ प्राकृतिक खेती के लिए जैविक संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाना भी है। योजना का विस्तृत स्वरूप कृषि एवं पशुपालन विभाग द्वारा कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत किया गया है। हालांकि, लाभार्थियों के चयन और आवेदन की विस्तृत प्रक्रिया की जानकारी अभी सामने नहीं आई है।



भाजपा के मध्यप्रदेश से राज्यसभा प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं राजेंद्र शुक्ल सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल की जयंती पर किया नमन

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर मंत्रालय परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरदार पटेल का जीवन राष्ट्र निर्माण और देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विधायक भगवानदास सबनानी सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एमएलबी कॉलेज में सरदार पटेल की जयंती पर जागरूकता रैली भारत की एकता और अखंडता के शिल्पकार थे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल : प्रो. शर्मा

ग्वालियर जीएनएस

महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रमों की शुरुआत जागरूकता रैली से हुई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हरीश अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

इसके बाद सैन्य विज्ञान विभाग में %राष्ट्रीय एकता में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान% विषय पर उद्बोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं मुख्य वक्ता प्रो. दीपक कुमार शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल भारत की एकता और अखंडता के शिल्पकार थे।



स्वतंत्रता के समय देश अनेक छोटी-बड़ी रियासतों में बंटा हुआ था। सरदार पटेल ने अपनी राजनीतिक दूरदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति से जूनागढ़, हैदराबाद, भोपाल, कश्मीर सहित 562 से अधिक देसी रियासतों का भारत में विलय कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सैन्य विज्ञान विभाग के प्रो.

कपिल कौरव ने कहा कि देश की प्रशासनिक एकता सुनिश्चित करने के लिए सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा जैसी अखिल भारतीय सेवाओं की नींव रखी। वहीं प्रो. ज्योत्सना राजपूत ने कहा कि गुजरात में स्थापित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार पटेल की राष्ट्रीय एकता की विरासत का प्रतीक है।

राज्यपाल ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

भोपाल जीएनएस

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को लोकभवन में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और लोकभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ



दिलाई। लोकभवन के बैकडेट हॉल में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्रता के बाद रियासतों में

बंटे देश को एकता के सूत्र में बांधने का ऐतिहासिक कार्य किया था। उनके इसी योगदान के कारण उन्हें लौह पुरुष कहा जाता है।

दो दुकानदारों के कब्जे से 70 हजार रुपए की आतिशबाजी जल, बिना लाइसेंस कर रहे थे भंडारण

बंद होटल के दो कमरों में छिपाकर रखे थे पटाखे, पुलिस ने मारा छापा

ग्वालियर जीएनएस

दीपावली और आगामी त्योहारों को देखते हुए पुलिस ने अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में जनकगंज पुलिस ने चावड़ी बाजार स्थित बंद शिवम होटल के दो कमरों में छपा मारकर 70 हजार 450 रुपए कीमत के पटाखे जब्त किए हैं। इन कमरों को गोदाम बनाकर अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किया जा रहा था। पुलिस ने मामले में दो दुकानदारों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज किया है। दोनों के पास पटाखों के भंडारण और बिक्री का

कोई वैध लाइसेंस नहीं मिला।

पुलिस के अनुसार, 30 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चावड़ी बाजार में बंद मेट्रो होटल के पास स्थित शिवम होटल के कमरों में राजेश बजाज और विक्रम वाधवानी ने बड़ी मात्रा में पटाखे जमा कर रखे हैं। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के बाद सीएसपी लश्कर किरण अहिरवार के मार्गदर्शन में जनकगंज थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों व्यक्तियों को बुलाया और उनके कब्जे वाले कमरों की तलाशी ली। तलाशी में दोनों कमरों



से विभिन्न प्रकार के पटाखे बरामद हुए। पूछताछ में दोनों व्यक्तियों ने कमरे किराये पर लेकर उनमें सामान रखने की बात स्वीकार की। पुलिस ने जब उनसे पटाखों के भंडारण और विक्रय का लाइसेंस मांगा तो वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने पटाखों की

सूची तैयार कर उनकी कीमत का आकलन किया और पूरी सामग्री जब्त कर सीलबंद कर दी। जब्त की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई।

दो अलग-अलग कमरों से मिले पटाखे : पुलिस ने राजेश बजाज पुत्र गुरनामल बजाज (55) निवासी उदाजी की

पायगा, निरकारी बेकरी के सामने वाली गली, जनकगंज के कब्जे से 43 हजार 50 रुपए कीमत के पटाखे जब्त किए। इनमें छोटे सुतली बम, मिर्ची पटाखे, बिजली के नाम से लाल मिर्ची पटाखे, बेबी रॉकेट, छोटे एवं मीडियम अनार और लैला-मजनू सहित अन्य पटाखे शामिल हैं। उसके खिलाफ जनकगंज थाने में अपराध क्रमांक 330/26 धारा 288 बीएनएस एवं 9(ख) विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इसी तरह विक्रम वाधवानी पुत्र टीकमदास वाधवानी (48) निवासी समाधिया कॉलोनी, डी ब्लॉक, जनकगंज के कब्जे से 27

हजार 400 रुपए कीमत के पटाखे जब्त किए गए। इनमें कृष्णा टू साउंड, सुपर बुलेट बम, मिनी बुलेट बम, फ्लावर पॉट अनार, लैला-मजनू और बेबी रॉकेट सहित अन्य पटाखे शामिल हैं। उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 331/26 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इस प्रकार दोनों कमरों से कुल 70 हजार 450 रुपए कीमत की विस्फोटक एवं ज्वलनशील पटाखा सामग्री जब्त की गई। पुलिस के अनुसार, बिना लाइसेंस पटाखों का भंडारण और विक्रय करना भारतीय न्याय संहिता की धारा 288 तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 9(ख) के तहत दंडनीय है।

करैरा में बागेश्वर धाम का मठ बनेगा : पंडित श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

बागेश्वर धाम की विभूति का पहली बार सभी श्रद्धालुओं को वितरण किया

शिवपुरी, जीएनएस।

बगीचा धाम-श्री राम राजा? धाम में आयोजित अन्तिम दिवस श्री राम कथा में एक लाख के करीब श्रद्धालु की भीड़ के सामने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने घोषणा कि करैरा में बागेश्वर धाम का मठ बनेगा तीन साल में मठ बनकर रहेगा, इसकी जिम्मेदारी भी पंडित राजेश दुबे -भोला महाराज- को



सोप दी.. करैरा में इस बार मुझे बहुत ही अच्छा लगा. करैरा वासियों से अनुरोध भी किया कि बगिया वाले हनुमान जी की बाउंड्री, भक्त

आरक्षक के समाधि के निर्माण कराने की मांग की..

श्री राम कथा के आरंभ में कीर्तन करते हुए भजन --सीता

सीता सीताराम कहिए.. सीता राम सीताराम राम कहिए.... भारत हिन्दू राष्ट्र बनेगा यह मेरा संकल्प हमारा है.. सीताराम.. सीताराम कहिए.. श्रद्धालु भाव विभोर हो गये.. इस के उपरांत श्री राम कथा पर प्रवचन देते हुए कहा कि धनुष श्रीराम जी ने तोड़ा, इसके उपरांत परशुराम जी आ गये नाराज हो गए, लक्ष्मण जी का सवाद हुआ, श्री राम ने समझाया. अन्तोगतता परशुराम समझ गये कि की आप ही पूर्ण परमात्मा हो. आशीर्वाद दिया और

श्री राम के विवाह की तैयारी आरंभ होगी.. अयोध्या से मिथिला बरात चली.. दूल्हा राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न बने, बरात मिथिला पहुंची, चारों तरफ आनंद बरस गया है.. आज सिया राम जी का शुभविवाह है.. अजी वाह वाह है.. भजन पर श्रद्धालु आनंद में लीन होते हुए भाव विभोर हो गये. मंडप में पहुंचे और साधु पंडित वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया और चारों भाइयों का विवाह हुआ, श्रीराम चरित्र मानस श्लोक सुनाते हुए, सुन्दर सुन्दर गीत गाये.

श्रद्धालुओं भाव भोर हो गये एवं गीत-संगीत पर नाचते, गाते, भाव आनंदित हुए. श्रीरामचरित मानस की आरती हुई, गुरु दीक्षा सुबह 9 बजे श्री राम राजा होटल में प्रदान की गई. बगीचा धाम -श्री राम राजा धाम के प्रांगण में विशाल भंडार में हजारों श्रद्धालु नागरिकों ने प्रसादी ग्रहण की. सम्पूर्ण विश्व में पहली बार करैरा में समस्त हजारों श्रद्धालु नागरिकों को बागेश्वर धाम में सवा लाख हनुमान जी के पाठ सिद्ध विभूति का वितरण किया।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से जिले के 8 मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु 4.95 लाख रुपये की सहायता

शिवपुरी, जीएनएस।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से वित्तीय वर्ष 2026-27 में शिवपुरी जिले के 8 जरूरतमंद मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु कुल 4 लाख 95 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के आदेशानुसार संबंधितों को इस राशि का भुगतान कर दिया गया है।

इसके तहत तहसील बदरवास के ग्राम अमहारा निवासी श्रीमती कलिया बाई यादव को श्वास नली में सूजन से संबंधित बीमारी के

इलाज हेतु 35 हजार रूपए की सहायता दी गई है। बूढाडोगर वार्ड नम्बर 1 बदरवास निवासी सुश्री सोनाली परिहार को पथरी के इलाज हेतु 25 हजार रूपए, ग्राम पंचावली तहसील कोलारस निवासी सुमंत्रा जाटव को कैंसर के इलाज हेतु 65 हजार रूपए, ग्राम अमहारा विकासखण्ड कोलारस निवासी श्री बंटी यादव को हृदय रोग के इलाज हेतु 20 हजार रूपए, ग्राम रिजोदी तहसील बदरवास निवासी श्रीमती सावित्री यादव को कैंसर के इलाज हेतु 75 हजार रूपए, ग्राम पंचायत लुकवासा तहसील कोलारस

निवासी श्री विनोद रघुवंशी को गंभीर बीमारी के इलाज हेतु 75 हजार रूपए रूपए की सहायता दी गई है।

इसी प्रकार ग्राम तिलातिली तहसील बदरवास निवासी श्रीमती राजकुमारी बाई कुशवाह को पति जगदीश कुशवाह की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के पश्चात 1 लाख रूपए की आर्थिक सहायता तथा ग्राम अमहारा तहसील बदरवास निवासी श्रीमती रायश्री बाई यादव को फेंफड़ों एवं श्वास नली में गंभीर संक्रमण उपचार हेतु 1 लाख रूपए की सहायता राशि दी गई है।

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए दिल्ली रैली में जाएंगे हजारों कार्यकर्ता

ग्वालियर, जीएनएस।

को नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में कांग्रेस एवं 'ईडिया' गठबंधन द्वारा आयोजित होने वाली विशाल महारैली और प्रदर्शन को लेकर ग्वालियर में तैयारियां जारी हैं। यह महारैली मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) और कथित वोट काटने और अनियमितताओं के विरोध में आयोजित की जा रही है। महारैली की तैयारियों और ग्वालियर से कार्यकर्ताओं की अधिकतम

भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में जी.वाई.एम.सी. गार्डन में एक वृहद बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप में शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, वरिष्ठ नेता उत्तम सिंह कुशवाह, एम.आई.सी सदस्य अवधेश कौरव, नाथूराम ठेकेदार, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, राजेश तोमर, अनूप शिवहरे, संदीप यादव, पूर्व पार्षद रामअवतार जाटव, पार्षद केदार बरहादिया,

सुरेन्द्र साहू, प्रमोद खरे, अंकित कठुल मंचासीन रहे। बैठक का संचालन डॉ. राकेश अग्रवाल ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. सिकरवार ने कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरते हुए कहा कि लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव निष्पक्ष चुनाव और पारदर्शी मतदाता सूची होती है। जब चुनाव प्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) जैसी प्रक्रियाओं पर ही सवाल खड़े होने लगें, तो खामोश बैठना देश और संविधान के साथ अन्याय होगा।

ई-दक्ष केंद्र शिवपुरी में दो दिवसीय 'सेवोत्तम प्रशिक्षण' कार्यक्रम संपन्न

शिवपुरी, जीएनएस।

भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग नई दिल्ली के निर्देशानुसार ई-दक्ष केंद्र शिवपुरी में गत दिवस दो दिवसीय जिला स्तरीय 'सेवोत्तम प्रशिक्षण' कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासकीय सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना तथा आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान सेवोत्तम प्रकोष्ठ के अंतर्गत मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2010, सीएम हेल्पलाइन, केंद्रीयकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपी ग्राम्स) तथा शिकायत निवारण में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधित



महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में लोक सेवाओं की बेहतर उपलब्धता, शिकायतों के त्वरित निराकरण, प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता तथा जवाबदेही बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही, विभिन्न शिकायत निवारण प्रणालियों के प्रभावी उपयोग और नागरिकों को समय-सीमा में सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासकीय सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार तथा लोक शिकायतों के प्रभावी निराकरण के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं एवं तकनीकी व्यवस्थाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में सुशासन की अवधारणा को मजबूत करना और आम नागरिकों

को बेहतर, पारदर्शी एवं समयबद्ध शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रशासनिक क्षमता को सुदृढ़ करना रहा।

इस प्रकार शिवपुरी में आयोजित दो दिवसीय सेवोत्तम प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिससे लोक सेवा वितरण एवं शिकायत निवारण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिया शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत वृद्धि का निर्णय

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार कर्मचारियों और अधिकारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की वृद्धि करने जा रही है। इस वृद्धि के फलस्वरूप शासकीय सेवकों को महंगाई भत्ते की राशि जनवरी माह से देय होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने %एक्स % पर अपनी पोस्ट में इस संबंध में जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने अधिकारियों-कर्मचारियों के हितों का हमेशा ध्यान रखा है। इसके साथ ही राज्य सरकार पेंशनर्स और कर्मचारियों के हितों में सदैव साथ खड़ी है। शासकीय सेवकों को जनवरी से सितंबर तक, कुल नौ माह के एरियर्स का भुगतान तीन समान मासिक किश्तों में किया जाएगा। अक्टूबर माह के वेतन (नवंबर में देय) से बढ़े हुए महंगाई भत्ते का नगद भुगतान होगा। पेंशनर्स के लिए भी महंगाई राहत में जुलाई 2026 से 2 प्रतिशत वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है।

नाम परिवर्तन सूचना	
मेरा सही नाम NAJAJ AHMAD QURAISHI है, जो मेरे नाम में आधार कार्ड, शैक्षणिक दस्तावेज, वर्तमान पैनकार्ड आदि दस्तावेजों में दर्ज है। मेरे द्वारा अपना खोले हुए एकाउंट खोलने समय मेरे पैन कार्ड में मेरा नाम NAJAJ AHMAD दर्ज था। इस वजह से मेरे खोले हुए एकाउंट में मेरा नाम NAJAJ AHMAD दर्ज हो गया है। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरान्त मेरे उक्त खोले हुए एकाउंट एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम NAJAJ AHMAD को स्थान पर मेरा सही नाम NAJAJ AHMAD QURAISHI पढ़ा लिखा जा दर्ज किया जावे।	नया नाम : NAJAJ AHMAD QURAISHI S/O RIYAJUDDIN QURAISHI
पूरा नाम : NAJAJ AHMAD	निवासी : शासन नं. 137 कार्ड नं.3, बही चरितार्थ के पास, जुगली बस्ती
पोस्टा किया कुंआ (म.प्र.)	

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत उप संचालक कृषि ने किया कृषकों के खेतों एवं कृषि गतिविधियों का निरीक्षण

शिवपुरी, जीएनएस।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत आज शुक्रवार को उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य द्वारा विकासखंड पिछोर के कृषकों के खेतों एवं कृषि गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम भौती में कृषक श्री रामगोपाल गुप्ता के खेत पर पहुंचकर अमरूद, आंवला एवं अन्य उद्यानिकी फसलों का

उत्पादन जैविक तरीके तथा वर्मीकम्पोस्ट का अवलोकन किया गया। साथ ही कृषक द्वारा संचालित मूंगफली प्रसंस्करण इकाई का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान जैविक उत्पादन एवं कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण के माध्यम से कृषकों की आय में वृद्धि की संभावनाओं के संबंध में जानकारी दी गई।

इसी क्रम में ग्राम वाचरौन में कृषक श्री राजीव पाठक के फार्म

का निरीक्षण किया गया, जहां उनके द्वारा की जा रही फूलों की खेती एवं प्राकृतिक पद्धति से चना फसल, कस्टम हायरिंग सेंटर का अवलोकन किया गया। उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य ने वर्ष 2026-27 रबी मौसम को दृष्टिगत रखते हुए उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने, वर्तमान में रबी सीजन हेतु

किसानों द्वारा उर्वरक को उठाव किया जा रहा है। जिले के किसानों को रबी फसलों की बोनी हेतु डीएपी के स्थान पर वैकल्पिक उर्वरक एनपीके का उपयोग करें। रबी फसलों की बोनी हेतु किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि रबी फसलों में पोषक तत्व प्रबंधन हेतु उर्वरकों का चयन करते समय उर्वरकों से मिलने वाली पोषक तत्वों की मात्रा का विशेष

ध्यान रखें। चूंकि डीएपी उर्वरक से फसलों को नत्रजन एवं फास्फोरस दो मुख्य पोषक तत्वों की पूर्ती होती है। डीएपी के विकल्प के स्थान पर एनपीके मिश्रित उर्वरक जैसे ग्रेड 12:32:16, 16:16:16, 20:20:0:13, 10:26:26, 14:35:14 इत्यादि का उपयोग करने से फसलों को नत्रजन, फास्फोरस, पोटैश एवं सल्फर इत्यादि पोषक तत्वों की आपूर्ती

होने से फसलों की बेहतर पैदावार एवं गुणवत्ता पूर्ण उपज प्राप्त होती है एवं फसलों की उत्पादकता में वृद्धि एवं मृदा स्वास्थ्य बेहतर होता है। इस दौरान कृषकों को उन्नत कृषि तकनीकों, फसल विविधीकरण एवं शासन की विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए कृषि लागत कम कर उत्पादन एवं आय में वृद्धि करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

एआई समिट 2026 का मध्य शुभारंभ: प्रेरणा, नवाचार और प्रज्ञा

ग्वालियर, जीएनएस।

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर में एआई समिट 2026 का प्रथम दिवस अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में प्रारंभ हुआ। दो दिवसीय इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रतिष्ठित अतिथियों, उद्योग विशेषज्ञों, शिक्षाविदों तथा तकनीकी नवप्रवर्तकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल अमन सिंह, श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह, प्रो. एस. एन. सिंह, प्रो. अनुराग श्रीवास्तव तथा श्री श्याम अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किया।

एआई समिट 2.0 के प्रथम दिवस के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित विभिन्न विषयों पर गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अवसर पर नवाचार, रचनात्मकता एवं तकनीकी कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एआई सिनर्जी हैकाथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें 40 से अधिक छात्र दलों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें इंजीनियरिंग विज्ञान विभाग

के विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मेलन में उपस्थित गणमान्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। साथ ही, विभाग की ओर से संस्थान के निदेशक प्रो. एस. एन. सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने 'एआई' समस्या, नैतिकता और मानवता का भविष्य-विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने संबोधन में मानव बुद्धिमत्ता, रोजगार तथा डिजिटल विश्वास के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने स्थानीय स्तर से वैश्विक स्तर तक विकास की संभावनाओं को साकार करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका को रेखांकित किया।

तकनीकी सत्रों के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विविध आयामों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। भारतीय सेना के सेना पदक (शौर्य) से सम्मानित लेफ्टिनेंट कर्नल अमन सिंह ने 'रक्षा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता-एल्योरिडम से परिचालनात्मक बढ़त तक' विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन, आँकड़ा-



आधारित रणनीति, त्वरित निर्णय-निर्माण तथा मानवीय नियंत्रण एवं सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारत को वैश्विक मॉडलों पर निर्भर रहने के बजाय अपने स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल विकसित करने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

श्री अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने मानव बुद्धिमत्ता, रोजगार तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावों पर चर्चा की। उन्होंने संस्थान के शोधार्थियों के साथ सार्थक संवाद भी किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल का विकास भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मध्याह्न भोजन के पश्चात ग्वालियर स्मार्ट सिटी से जुड़े श्री

गौरव शाक्य ने 'ग्वालियर स्मार्ट सिटी की पहलें, चुनौतियाँ एवं अवसर' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने शहर के विकास, तकनीकी नवाचार तथा स्मार्ट सिटी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए।

इसके पश्चात श्री वैभव, श्री अक्षत एवं श्री कार्तिक ने संस्थान के कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित नवोद्यम सैगिलेंस (स्टुडेंट्स इनोवेटिव ग्रुप्स) का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने नवोद्यम के कार्यों एवं उद्देश्यों से अवगत कराया तथा नवाचार और उद्यमिता के महत्व को रेखांकित किया।

तत्पश्चात आरंभ चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर की निदेशक डॉ. सुकृति मिश्रा ने 'स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोगों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस क्षेत्र में एआई का उपयोग केवल चैटजीपीटी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके अनेक अन्य महत्वपूर्ण अनुप्रयोग भी हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं।

दिन के अंतिम सत्र में फिलिप्स में वरिष्ठ वास्तुकार (सीनियर आर्किटेक्ट) के पद पर कार्यरत श्री वैभव शर्मा ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने इस क्षेत्र से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए तथा तकनीकी विकास में एआई की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इसके अतिरिक्त, चयनित शोध-पत्रों की प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों को अपने शोध कार्यों और विचारों को साझा करने का अवसर मिला। इसके पश्चात चाय-विश्राम के साथ प्रथम दिवस के कार्यक्रमों का समापन हुआ। डॉ. जीवराज एस. ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस सम्मेलन

के संरक्षक संस्थान के निदेशक प्रो. एस. एन. सिंह हैं, जबकि सम्मेलन के सामान्य अध्यक्ष प्रो. अनुराग श्रीवास्तव हैं। आयोजन अध्यक्षों के रूप में डॉ. यशवंत पटेल, डॉ. जीवराज एस. तथा डॉ. रोहित सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजन समिति में प्रो. जॉयदीप धर, डॉ. प्रज्ञा शुक्ला सहित अन्य सदस्य भी सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। सम्मेलन के सफल आयोजन में संस्थान के शोधार्थियों तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने स्वयंसेवकों के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके सहयोग से कार्यक्रम का संचालन सुचारु रूप से संपन्न हुआ। एआई समिट 2026 का प्रथम दिवस कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तकनीकी नवाचार, नैतिकता, उद्यमिता तथा स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सम्मेलन का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में ज्ञान के आदान-प्रदान, शोध, नवाचार एवं सहयोग को बढ़ावा देना तथा भारत को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। उक्त जानकारी संस्थान की मीडिया प्रभारी श्रीमती दीपा सिंह सिसोदिया के द्वारा प्रदान की गयी।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद चुनाव आयोग ने बढ़ाई SIR की समयसीमा

दिल्ली सहित छह राज्यों में संशोधित कार्यक्रम; मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए मिला अतिरिक्त समय

नई दिल्ली, जीएनएस।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के बाद चुनाव आयोग ने दिल्ली सहित पांच राज्यों की समय-सारणी में बदलाव किया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, दिल्ली में

दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तारीख 25 नवंबर, जबकि महाराष्ट्र में 13 नवंबर निर्धारित की गई है। महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और नगालैंड में अंतिम मतदाता सूची 30 नवंबर को, जबकि दिल्ली में 22 दिसंबर को प्रकाशित होगी। मतदाता अपनी प्रविष्टि जरूर जांचें-क्योंकि सूची में नाम होना ही मतदान के अधिकार के इस्तेमाल की पहली शर्त है।

70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता की तैयारियों के संबंध में 2 नवंबर को बैठक

शिवपुरी। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत बालक एवं बालिका एथलेटिक्स (17 वर्ष) की राष्ट्रीय स्पर्धाओं के आयोजन का दायित्व लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा शिवपुरी जिले को सौंपा गया है। इस राष्ट्रीय स्तरीय आयोजन की समस्त आवश्यक व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की समीक्षा हेतु 02 नवंबर को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की जाएगी।

विभाग अथवा उपक्रम के लिए भूमि धारकों द्वारा भूमि हस्तांतरित करने के संबंध में आपत्ति आमंत्रित

शिवपुरी, जीएनएस।

राजस्व विभाग द्वारा विभाग अथवा उपक्रम के लिए भूमि क्रय करने हेतु भूमि धारकों द्वारा भूमि विभाग अथवा उपक्रम को हस्तांतरित करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर में अपनी आपत्ति कार्यालय कलेक्टर भू-अर्जन शाखा के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। राजस्व विभाग द्वारा विभाग अथवा उपक्रम के लिए ग्राम शिवराज के भूमि खसरा नम्बर सिंचित कक्ष क्र.292 के भूमिस्वामी पवन आदिवासी, जय सिंह आदिवासी, छोटू आदिवासी

एवं राजकुमार आदिवासी को भूमि विभाग अथवा उपक्रम को हस्तांतरित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार ग्राम कुम्हौआ के भूमि खसरा नम्बर सिंचित कक्ष क्र.1076 के भूमिस्वामी प्रीती आदिवासी, श्रीमती रामकली आदिवासी, प्रहलाद सिंह आदिवासी, नेवाराम सिंह आदिवासी, राजवीर आदिवासी, राधा आदिवासी, लल्लो आदिवासी एवं प्राण सिंह आदिवासी तथा ग्राम केमखेड़ा के भूमि खसरा नम्बर सिंचित कक्ष क्र.289 के भूमिस्वामी कल्लू आदिवासी को भूमि विभाग अथवा उपक्रम को हस्तांतरित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसके तहत यदि किसी को कोई आपत्ति है।

ग्वालियर जिले में अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई, 6 प्रकरण दर्ज

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री, संग्रह और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को विभाग की टीम ने हजीरा, मुरार, कम्पू के वीरपुर बांध क्षेत्र, आंतरी और जौरासी सहित विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर अवैध मदिरा बरामद की। कार्रवाई के दौरान कुल छह प्रकरण दर्ज

किए गए। जब्त मदिरा का अनुमानित मूल्य लगभग 15 हजार रुपए बताया गया है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के आदेशानुसार तथा सहायक आबकारी आयुक्त श्री राज नारायण सोनी के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। विभागीय जानकारी के अनुसार, हजीरा क्षेत्र में डेली डिलाइट (बोटी वाला ढाबा) से 25 पाव देशी मदिरा

प्लेन तथा सिंधिया नगर मल्टी के पास राजू परिहार के कब्जे से 11 पाव देशी मदिरा प्लेन बरामद की गई। आंतरी क्षेत्र के आरके होटल से 25 पाव देशी मदिरा प्लेन जब्त की गई। वहीं, सुरेंद्र ढाबा पर मदिरापान कराने वालों के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 36(क) के तहत कार्रवाई की गई। डबरा वृत्त के अंतर्गत आंतरी क्षेत्र के ग्राम लदवाया में बलवीर जाटव के आवास से 17

पाव देशी मदिरा मसाला और 9 पाव देशी मदिरा प्लेन बरामद की गई। इसके अलावा जौरासी स्थित अशोक ढाबा एंड फैमिली रेस्टोरेंट से 29 पाव देशी मदिरा जब्त की गई।

आबकारी विभाग ने संबंधित आरोपियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 36(क) के तहत कुल छह प्रकरण पंजीबद्ध किए हैं। कार्रवाई में ग्वालियर

कंट्रोल रूम प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राजेश तिवारी के निर्देशन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री प्रवीण उपाध्याय एवं श्री आमीन खान, आबकारी उपनिरीक्षक श्री हरेन्द्र मवाई, श्री सतेंद्र सिंह मीणा, श्री शिवा रघुवंशी, श्रीमती रोशनी पाटीदार एवं श्री सुरेश कुमार पाराशर सहित आबकारी विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों का योगदान रहा।

भिण्ड-गोरमी

के

समाचार

विज्ञापन

के लिए सम्पर्क करें

महेश चौधरी

98267-36233

Har Khushi Ki Pahali Pasand

OUR NEW PRODUCT

श्रमसाधना

संपादकीय

इंटरनेट को मौलिक अधिकार माना, अब सुरक्षित और सुलभ बनाना भी जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में इंटरनेट तक पहुंच के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देकर डिजिटल युग में नागरिक स्वतंत्रता के दायरे को व्यापक किया है। बच्चों को इंटरनेट पर होने वाले शोषण और दुर्व्यवहार से बचाने से जुड़े एक मामले में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा के नाम पर उन्हें इंटरनेट से दूर रखना समाधान नहीं है। इसके बजाय इंटरनेट को सुरक्षित बनाना जरूरी है। इस फैसले का महत्व केवल बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर सभी नागरिकों पर पड़ेगा। वर्ष 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट के माध्यम से अभिव्यक्ति और व्यवसाय की स्वतंत्रता को संवैधानिक संरक्षण दिया था, लेकिन इंटरनेट तक पहुंच को स्पष्ट रूप से मौलिक अधिकार नहीं माना था। अब इस अधिकार की मान्यता से नागरिकों को इंटरनेट सेवाओं पर सरकारी प्रतिबंधों को चुनौती देने का अधिक स्पष्ट आधार मिल गया है। विशेष रूप से सार्वजनिक व्यवस्था के नाम पर बार-बार इंटरनेट बंद करने जैसे कदम न्यायिक समीक्षा के दायरे में आएंगे। हालांकि मौलिक अधिकार की मान्यता का अर्थ केवल सरकार के हस्तक्षेप को रोकना नहीं है। इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि नागरिक सरकार से इंटरनेट की उपलब्धता, बेहतर सुविधाओं और आवश्यक बुनियादी ढांचे की मांग कर सकेंगे। इस अधिकार को वास्तविक बनाने के लिए प्रशासनिक व्यवस्था और वित्तीय संसाधन जुटाने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से सरकारों की होगी। भारत में सूचना और शिक्षा के अधिकार इसके उदाहरण हैं। वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी के चुनाव से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति के.के. मैथ्यू ने माना था कि सरकार के कामकाज की जानकारी प्राप्त करना नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है। इस विचार ने आगे चलकर सूचना के अधिकार की मांग को मजबूती दी। नागरिक संगठनों और जन आंदोलनों के प्रयासों के बाद वर्ष 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। आज इसके तहत नागरिक सरकारी कामकाज से जुड़ी जानकारी मांग सकते हैं। इसी तरह वर्ष 1993 में उन्नीकृष्णन बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी। इसके बाद वर्ष 2002 में संविधान संशोधन के जरिए छह से चौदह वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान किया गया। वर्ष 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम पारित हुआ। इससे स्पष्ट है कि किसी अधिकार को संवैधानिक मान्यता मिलना उसकी शुरुआत है, उसे प्रभावी बनाने के लिए कानून, संसाधन और संस्थागत व्यवस्था भी जरूरी हैं। इंटरनेट के मामले में भी यही चुनौती सामने है। केवल न्यायालय के फैसले से हर नागरिक तक इंटरनेट की पहुंच सुनिश्चित नहीं हो सकती। इसके लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में डिजिटल बुनियादी ढांचे का विस्तार, किफायती सेवाएं, बेहतर नेटवर्क और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा। साथ ही बच्चों और अन्य उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन शोषण, धोखाधड़ी तथा दुरुपयोग से बचाने के प्रभावी उपाय भी जरूरी हैं।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

बांधों के विरोध में अरुणाचल में हिंसा को कौन दे रहा है हवा?

प्रमोद भार्गव

अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित दो बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं-सियांग और सुबनसिरी-को लेकर विरोध तेज हो गया है। अभी इन परियोजनाओं के निर्माण की शुरुआती तैयारियां ही चल रही हैं, लेकिन इनके विरोध में स्थानीय जनजातीय संगठनों और कथित युवा समूहों के प्रदर्शन हिंसक रूप ले चुके हैं। सियांग और पासीघाट में 12 घंटे के बंद के दौरान भीड़ ने राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (एनएचपीसी) के कार्यालय और एक थाने में आग लगा दी। पुलिस के सात-आठ वाहन जला दिए गए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष कलिंग मेयोंग, विधायक ओनी पनयांग और पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा पासीघाट पश्चिम के विधायक निनोंग एरिंग के घरों में भी तोड़फोड़ की गई। इन घटनाओं ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जब परियोजनाओं का निर्माण शुरू नहीं हुआ है, तब विरोध का यह हिंसक स्वरूप क्यों सामने आ रहा है? क्या स्थानीय आशंकाओं के साथ कोई बाहरी प्रभाव भी इस आंदोलन को दिशा दे रहा है?

भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले में बहने वाली सियांग नदी पर 11,200 मेगावाट क्षमता की बहुउद्देशीय जलविद्युत परियोजना प्रस्तावित की है। इसका उद्देश्य बिजली उत्पादन के साथ बाढ़ नियंत्रण और जल प्रबंधन को मजबूत करना है। सियांग नदी तिब्बत से निकलकर अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है और आगे चलकर ब्रह्मपुत्र के रूप में भारत के पूर्वोत्तर तथा बांग्लादेश तक पहुंचती है। इसी नदी पर चीन तिब्बत क्षेत्र में लगभग 60 हजार मेगावाट क्षमता की विशाल जलविद्युत परियोजना विकसित कर रहा है। चीन की इस परियोजना को लेकर भारत में सामरिक और जल सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी हैं।

चीन ने ब्रह्मपुत्र के तिब्बती क्षेत्र

में यारलुंग जांग्बो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में शामिल एक विशाल बांध के निर्माण की शुरुआत की है। इसकी अनुमानित लागत करीब 137 अरब अमेरिकी डॉलर बताई गई है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सरकार ने नदी के निचले हिस्से में जलविद्युत परियोजना को मंजूरी दी है। हांगकांग के समाचार पत्र साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने भी इस परियोजना से जुड़ी जानकारी प्रकाशित की थी। यह बांध हिमालय की उस विशाल घाटी में बनाया जा रहा है, जहां ब्रह्मपुत्र नदी तीखा मोड़ लेकर अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश की ओर बहती है।

चीन की इस परियोजना से भारत और बांग्लादेश दोनों की चिंता स्वाभाविक है। आशंका है कि बांध में पानी का भंडारण और उसके प्रवाह का नियंत्रण भविष्य में निचले क्षेत्रों के लिए चुनौती बन सकता है। चीन जरूरत के मुताबिक पानी रोकने या अधिक मात्रा में छोड़ने की क्षमता हासिल कर सकता है। हालांकि ऐसी आशंकाओं का आकलन तकनीकी और कूटनीतिक तथ्यों के आधार पर होना चाहिए, लेकिन भारत के लिए नदी के ऊपरी प्रवाह पर चीन का नियंत्रण रणनीतिक महत्व रखता है। इसी पृष्ठभूमि में अरुणाचल प्रदेश में सियांग परियोजना को जल सुरक्षा के एक संभावित उपाय के रूप में देखा जा रहा है।

भारत की प्रस्तावित सियांग परियोजना की अनुमानित क्षमता 11,200 मेगावाट और लागत करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये बताई गई है। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। इसके अतिरिक्त अरुणाचल प्रदेश में 9,380 मेगावाट क्षमता की एक अन्य जलविद्युत परियोजना भी निर्माणाधीन है। अप्रैल 2022 में जल शक्ति मंत्रालय ने एनएचपीसी को प्रारंभिक व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश

दिए थे। वर्ष 2025 में तकनीकी जांच और सर्वेक्षण की प्रक्रिया के दौरान भी स्थानीय स्तर पर विरोध हुआ था। इससे स्पष्ट है कि परियोजना को लेकर असहमति नई नहीं है।

स्थानीय विरोध के पीछे कई कारण हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रस्तावित बांध के जलग्रहण क्षेत्र में 27 गांव प्रभावित हो सकते हैं। इन गांवों में करीब डेढ़ लाख लोग रहते हैं, जिनमें मुख्य रूप से आदि और गालो जनजातीय समुदाय शामिल हैं। इन समुदायों के लिए सियांग नदी केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र भी है। वे इसे मां के समान पूजनीय मानते हैं। ऐसे में नदी पर विशाल बांध बनने की आशंका उनके मन में विस्थापन, आजीविका, पर्यावरण और सांस्कृतिक पहचान को लेकर चिंताएं पैदा करती है।

सियांग इंडिजिनस फार्मर्स फोरम% सहित कई स्थानीय संगठन परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि स्थानीय लोगों की सहमति के बिना सर्वेक्षण और आगे की प्रक्रिया नहीं बढ़ाई जाए। वे क्षेत्र से केंद्रीय सुरक्षा बलों को हटाने की मांग भी कर रहे हैं। सरकार के लिए जरूरी है कि इन आशंकाओं को केवल विकास विरोधी मानसिकता मानकर खारिज न किया जाए। जिन लोगों की जमीन, जंगल, नदी और परंपराएं प्रभावित हो सकती हैं, उनकी बात सुनना और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में शामिल करना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। विकास तभी स्वीकार्य बनता है, जब उससे प्रभावित समुदायों का भरोसा भी हासिल किया जाए।

इसके बावजूद यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि शांतिपूर्ण विरोध हिंसा में क्यों बदल रहा है? एनएचपीसी कार्यालय, पुलिस थाने और जनप्रतिनिधियों के घरों को निशाना बनाना किसी भी लोकतांत्रिक

आंदोलन का उचित तरीका नहीं हो सकता। स्थानीय लोगों की असहमति और पर्यावरण संबंधी चिंताओं को अभिव्यक्त करने का अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और हिंसा फैलाना कानून के दायरे में आता है। इस आंदोलन में करीब 30 संगठनों की भागीदारी बताई जा रही है। इनमें छत्र संगठनों और पर्यावरण से जुड़े समूहों की भूमिका भी सामने आई है। कुछ संगठनों को कानूनी और नैतिक समर्थन देने वाले गैरसरकारी संगठनों की गतिविधियों पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर चीन और भारत के बीच पहले भी तनाव की स्थिति बनती रही है। वर्ष 2016 में चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी जियाबुकू के पानी को रोके जाने की खबर सामने आई थी। उस समय भारत ने जल प्रवाह से संबंधित सूचनाओं और आंकड़ों को लेकर चिंता जताई थी। ब्रह्मपुत्र एशिया की प्रमुख नदियों में से एक है। इसकी कुल लंबाई लगभग तीन हजार किलोमीटर है। यह तिब्बत में करीब 1,625 किलोमीटर, भारत में 918 किलोमीटर और बांग्लादेश में 363 किलोमीटर बहती है। नदी का बड़ा हिस्सा चीन के नियंत्रण वाले तिब्बती क्षेत्र से होकर गुजरता है। इसलिए वहां बनने वाले बांधों और जल सुरंगों का प्रभाव निचले प्रवाह वाले देशों पर पड़ सकता है। चीन अपनी नदियों के जल का उपयोग बिजली उत्पादन, सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक जरूरतों के लिए करता है। वहां बड़े बांधों और जलविद्युत परियोजनाओं को आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। चीन की परियोजनाओं की गति और उनका आकार भारत के लिए चुनौती भी हैं। भारत को अपनी जल सुरक्षा, ऊर्जा जरूरतों और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के बीच संतुलन बनाना होगा।

अपराधियों के लिए कानून का भय क्यों नहीं?

सौरभ वार्ष्णेय

डिजिटल तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराध के नए और खतरनाक तरीके भी सामने आए हैं। बैंक अधिकारी, पुलिस, सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय का अधिकारी बनकर लोगों को ठगना अब संगठित अपराध का रूप ले चुका है। वीडियो कॉल पर फर्जी वर्दी, सरकारी कार्यालय जैसी पृष्ठभूमि और गिरफ्तारी के कथित आदेश दिखाकर लोगों को घंटों मानसिक दबाव में रखा जाता है। फिर जांच, सत्यापन या जमानत के नाम पर लाखों रुपये वसूल लिए जाते हैं। इसे डिजिटल अरेस्ट कहा जाता है, जबकि कानून में ऐसी कोई वैधानिक गिरफ्तारी की व्यवस्था नहीं है। यह तकनीक और भय का इस्तेमाल कर की जाने वाली सुनियोजित आर्थिक लूट है।

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट के जरिए होने वाली ठगी को %डिजिटल डकैती% की संज्ञा देकर इसकी गंभीरता रेखांकित की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ की सख्त टिप्पणी बताती है कि अब इस अपराध को सामान्य

ऑनलाइन धोखाधड़ी मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। यह नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा, मानसिक शांति और सरकारी संस्थाओं के प्रति विश्वास पर सीधा हमला है।

इस अपराध में ठग लोगों की कानून के प्रति आस्था और सामाजिक प्रतिष्ठा का फायदा उठाते हैं। कभी कहा जाता है कि उनके नाम से अवैध पार्सल मिला है, तो कभी बैंक खाते का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में होने की बात कही जाती है। इसके बाद गिरफ्तारी और जेल का भय दिखाकर पीड़ित को किसी से बात नहीं करने, घर में रहने और लगातार वीडियो कॉल पर बने रहने के लिए मजबूर किया जाता है। भय इतना गहरा होता है कि व्यक्ति अपनी वर्षों की बचत तक अपराधियों को सौंप देता है।

बुजुर्ग विशेष रूप से ऐसे अपराधियों के निशाने पर हैं। जीवनभर की कमाई सुरक्षित रखने वाले वरिष्ठ नागरिक सरकारी संस्थाओं और कानून के प्रति विश्वास रखते हैं। जब कोई व्यक्ति पुलिस अधिकारी बनकर गिरफ्तारी की धमकी देता है, तो वे घबराकर उसकी बातों में आ जाते हैं।

कई मामलों में सेवानिवृत्ति के बाद मिली जमा पूंजी भी ठगों के हाथ चली जाती है। इसलिए यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक दबाव के जरिए की जाने वाली लूट है।

समाज में यह संदेश स्पष्ट होना चाहिए कि कोई भी वास्तविक जांच एजेंसी वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी का नाटक करके किसी नागरिक से निजी खाते में धन जमा नहीं कराती। न ही किसी अधिकारी को मनमाने ढंग से किसी व्यक्ति को ऑनलाइन हिरासत में रखने का अधिकार है। सरकारी संस्थाओं का नाम लेकर भय पैदा करना उनकी प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाता है। ऐसे अपराधियों पर कार्रवाई का उद्देश्य केवल रकम बरामद करना नहीं, बल्कि नागरिकों के मन से यह कृत्रिम भय समाप्त करना भी होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गौरव कुमार साहा और निधि भंडारी की याचिका में 12 राज्यों में दर्ज 35 साइबर अपराध मामलों को एक स्थान पर लाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं का दावा था कि उनकी कंपनी के बैंक खाते का इस्तेमाल ठगी

की रकम जमा करने और आगे भेजने के लिए किया गया, जबकि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। उनका कहना था कि वे स्वयं धोखाधड़ी के शिकार हैं।

यह मामला साइबर अपराध की जांच से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है। ठगी की रकम कई बैंक खातों से होकर गुजरती है। अपराधी दूसरे लोगों के खातों, कंपनियों और फर्जी पहचान का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में किसी खाते में संदिग्ध धन पहुंचने मात्र से उसके संचालक को स्वतः दोषी मानना उचित नहीं है। जांच एजेंसियों को खाते के वास्तविक उपयोगकर्ता, धन के स्रोत, लेन-देन की प्रकृति, डिजिटल साक्ष्यों और संबंधित व्यक्ति की भूमिका की पड़ताल करनी चाहिए। दूसरी ओर, केवल अनभिज्ञता का दावा कर देना भी दोषमुक्त होने का आधार नहीं हो सकता। निष्पक्ष जांच और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि आरोपियों की सुविधा के लिए पीड़ितों को दिल्ली नहीं बुलाया जा सकता और अलग-अलग राज्यों में चल रही जांच को प्रभावित नहीं किया जा सकता, न्यायिक प्रक्रिया के महत्वपूर्ण पक्ष को सामने रखती है।

स्कूली व यात्री बसों की जाँच में 8 बसों पर चालानी कार्रवाई, 42 हजार रुपए का शमन शुल्क वसूला



ग्वालियर, जीएनएस।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देशानुसार गुरुवार को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री विक्रमजीत सिंह कंग के मार्गदर्शन में ग्वालियर शहर के विभिन्न स्थानों पर स्कूली बसों एवं यात्री बसों की सघन जाँच की गई। संभागीय उड़नदस्ते द्वारा की गई इस जाँच के दौरान मोटरयान नियमों का उल्लंघन

करने वाली 8 बसों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इन बसों में फिटनेस, परमिट, ओवरलोडिंग, बीमा आदि संबंधी कमियाँ पाए जाने पर कुल 42 हजार रुपए का शमन शुल्क वसूला गया। जाँच अभियान में संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी नीलम सिंह, संतोष आरक्षक, सजल पाण्डेय, उम्मीद बेग सहित कार्यालयीन स्टाफ शामिल रहा।

जनता की प्यास पर जलदाय विभाग की बेरुखी! महीनों बाद भी जलापूर्ति समस्या जस की तस

जयपुर, जीएनएस।

जयपुर के वरिष्ठ समाजसेवी रवि शंकर धाभाई ने बताया कि विद्याधर नगर के सेक्टर-4 के निवासी लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि जहाँ पहले प्रतिदिन सुबह और शाम दोनों समय नियमित जलापूर्ति होती थी, वहीं पिछले दो वर्षों से बिना किसी सार्वजनिक सूचना या कारण बताए शाम की पानी की सप्लाई बंद कर दी गई है। इसके साथ ही सुबह होने वाली जलापूर्ति भी बेहद कम प्रेशर से की जा रही है, जिससे अधिकांश घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुँच पा रहा है।

समाज सेवी रवि शंकर धाभाई ने आगे बताया कि सहायक

अभियंता विद्याधर को इस विकट समस्या के बारे में एक शिकायत पत्र दिया गया इस अवसर पर भारी संख्या में क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक के साथ पूर्व पार्षद व वर्तमान पार्षद महोदयों के पति भी उपस्थित थे।

सामाजिक कार्यकर्ता रवि शंकर धाभाई ने इस संबंध में राजस्थान सरकार से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि आखिर किस अधिकारी के आदेश से सेक्टर-4 में शाम की जलापूर्ति बंद की गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और जलदाय विभाग द्वारा भविष्य में जयपुर में 24 घंटे पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने की घोषणा की जा रही है, जबकि दूसरी ओर पहले से उपलब्ध शाम की जलापूर्ति भी बंद

होना चिंताजनक है।

धाभाई ने कहा कि जलदाय विभाग के मंत्री, प्रमुख सचिव एवं सचिव द्वारा सभी अभियंताओं को जलापूर्ति के समय फील्ड में उपस्थित रहकर पानी की सप्लाई की निगरानी करने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने मांग की कि इन निर्देशों का सेक्टर-4 में भी प्रभावी पालन कराया जाए और जलापूर्ति व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाए।

उन्होंने मुख्यमंत्री, जलदाय विभाग के मंत्री तथा विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों से ट्विटर के माध्यम से भेजे संदेश में आग्रह किया है कि सेक्टर-4 की

जलापूर्ति व्यवस्था की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, शाम की जलापूर्ति पुनः प्रारंभ की जाए, पानी का प्रेशर बढ़ाया जाए तथा संबंधित अधिकारियों को लिखित निर्देश जारी कर उनकी पालना सुनिश्चित की जाए।

साथ ही जारी आदेशों की प्रति उन्हें भी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। धाभाई का कहना है कि पेयजल प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है और विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि प्रत्येक घर तक पर्याप्त मात्रा एवं उचित दबाव के साथ स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि सरकार उनकी इस लंबे समय से चली आ रही समस्या का शीघ्र समाधान करेगी।

पुलक मंच परिवार ग्रेटर ग्वालियर (महिला)की मासिक बैठक सम्पन्न

ग्वालियर, जीएनएस।

पुलक मंच परिवार ग्रेटर ग्वालियर (महिला) शाखा की वर्ष 2026-27 के कार्यकाल की प्रथम बैठक मंच संयोजिका श्रीमती विद्या जैन 'सोनू' के निवास सोनू सदन पर सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारम्भ भारत गौरव, प्रातः स्मरणीय, राष्ट्र संत, शांति दूत मनोज्ञाचार्य श्री पुलक सागर जी गुरुदेव व जिनवाणी मां के चित्र के समक्ष श्रीमती विद्या जैन 'सोनू' ने दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात महामंत्र णमोकार व भक्तामर जी का सामूहिक पाठ किया गया। आज की बैठक का शुभारम्भ 'शरद पूर्णिमा' के अवसर पर स्वादिष्ट खीर के साथ हुआ। मनोरंजक गेम हाऊजी में सभी ने भाग लेकर किया। बैठक में श्रीमती विद्या जैन 'सोनू' ने भीलवाड़ा में सम्पन्न 29 में राष्ट्रीय अधिवेशन की व्यवस्थाओं को काफी सुंदर व्यवस्थित बताया। इन विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य श्री ने इस अधिवेशन को अभी तक के

अधिवेशन में सर्वश्रेष्ठ अधिवेशन घोषित किया है। इस अवसर पर मंच की समस्या श्रीमती शशि जैन धर्म पत्नी श्री राजेश जैन ने पर्युषण पर्व के दौरान सोलहकारण व्रत व तीन दिन का तेल व्रत किए जाने पर शाल- श्रीफल से सम्मानित किया गया। आचार्य श्री ने सरकार द्वारा जनगणना कराने जाने की जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना में हमें धर्म के कॉलम में जैन व जाति के कॉलम में अपने समाज की जानकारी देना है।

इस कार्य को गंभीरता से लेकर धर्म के कालम में जैन अवश्य लिखवाना है। दिल्ली से पधारे अखिल भारतीय जनगणना समिति के प्रतिनिधि ने जानकारी देते हुए बताया कि हमें इस कार्य को कर रहे शासकीय अधिकारी/अमले के साथ सहयोग करना है तथा यह सुनिश्चित करना है कि जनगणना फार्म में सही-सही जानकारी अर्थात् धर्म के कॉलम में जैन व जाति के कॉलम में सही जानकारी लिखी है या नहीं। पुलक मंच के अध्यक्ष श्री नरेंद्र जैन

'सोनू' ने जनगणना के प्रति जागरूकता के लिए बनाए गए पोस्टर का विवेचन कराया तथा मंच समस्याओं द्वारा जागरूकता रैली निकालकर समाज को जागरूक किया गया तथा सभी ने प्रतिज्ञा की कि विभिन्न अवसरों पर समाज में जनगणना के प्रति जागरूक किये जाने हेतु कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे व जनगणना के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करने का कार्य करती रहेंगी। भीलवाड़ा अधिवेशन में पुलक मंच परिवार ग्रेटर ग्वालियर को 'पुलक प्रसादी सम्मान प्राप्त हुआ जिसे मंच अध्यक्ष श्री नरेंद्र जैन 'सोनू' ने महिलाओं को समर्पित किया जिसे श्रीमती सरिता जैन ने मंच सदस्याओं के साथ प्राप्त किया। बैठक में सभी ने आतिशबाजी न चलाने का संकल्प लिया तथा पोस्टर व रैली के माध्यम से समाज को आतिशबाजी से होने वाली हानियों की जानकारी दिए जाने का निर्णय लिया गया।

श्रीधाम वृंदावन में भक्तिमय श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन

विद्वान वक्ताओं ने किया श्री हनुमान जी महाराज की महिमा का गुणगान, सुंदरकांड से मिलती है साहस, समर्पण और सेवा की प्रेरणा।

(डॉ गोपाल चतुर्वेदी)

वृंदावन। धर्मनगरी श्रीधाम वृंदावन में श्रीहनुमद्-आराधन मंडल, वृंदावन के तत्वावधान में श्री सुंदरकांड पाठ का भक्तिमय आयोजन किया गया। विश्व वैष्णव सेवा संघ, श्रीधाम वृंदावन द्वारा आयोजित यह धार्मिक कार्यक्रम श्री हरिदास धाम में पूज्य गोस्वामी आचार्य आनंद बल्लभ जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ कर प्रभु श्रीराम और संकटमोचन हनुमान जी महाराज का स्मरण किया।

श्री सुंदरकांड पाठ के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा। सनातन धर्म में श्री सुंदरकांड का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। रामचरितमानस का यह पावन प्रसंग मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस, विश्वास और प्रभु के प्रति अटूट समर्पण बनाए रखने की प्रेरणा देता



है। श्री हनुमान जी महाराज के चरित्र का वर्णन करते हुए बताया गया कि माता सीता की खोज में समुद्र पार करना, लंका पहुँचकर माता सीता का पता लगाना तथा प्रभु श्रीराम का संदेश पहुँचाना उनकी अद्भुत शक्ति, बुद्धि, विवेक और सेवाभाव का परिचायक है। हनुमान जी महाराज का जीवन यह संदेश देता है कि सच्ची शक्ति अहंकार में नहीं, बल्कि विनम्रता, समर्पण और परोपकार में निहित है।

सुंदरकांड पाठ के समापन के पश्चात विद्वान वक्ताओं ने श्री हनुमान जी महाराज की महिमा और श्री सुंदरकांड की आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि सुंदरकांड केवल धार्मिक पाठ नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मकता, धैर्य, साहस, विनम्रता और सेवा भावना अपनाने का प्रेरणास्रोत भी है। आयोजन के माध्यम से सनातन संस्कृति,

धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार का संदेश दिया गया। श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम एवं संकटमोचन हनुमान जी महाराज से सभी के जीवन में सुख, शांति, सद्बुद्धि और सेवा भाव बनाए रखने की प्रार्थना की। इस अवसर पर आचार्य आनंद बल्लभ गोस्वामी, रामकृपाल त्रिपाठी, आचार्य बद्रीश, बाल योगेश्वर महाराज, डॉक्टर मनोज मोहन शास्त्री, विपिन शास्त्री, अशोक शास्त्री, आचार्य चतुर नारायण, पूर्व विधायक डॉ अशोक अग्रवाल, परशुराम शोभा यात्रा समिति के अध्यक्ष रामगोपाल शर्मा, निगम उपाध्यक्ष मुकेश सारस्वत, सौरभ गौड़, उदयन शर्मा, मारुति नंदन बागीश, डॉ गोपाल चतुर्वेदी, आचार्य मृदुलकांत शास्त्री, विमल चैतन्य महाराज, बंसीलाल शर्मा, संजय हरियाणा, संजय पाराशर, जिला अध्यक्ष अखिलेश तिवारी आदि।

उर्वरक विक्रेताओं को बड़ी चेतावनी यदि रेट से ओवर रेट बिक्री की तो कार्यवाही निश्चित-विनय कुमार मौर्य

जालौन, जीएनएस।

रबी की बुवाई के बीच किसानों को निर्धारित दरों पर खाद उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य के निर्देश पर नायब तहसीलदार मुकेश कुमार ने नगर की खोवा मंडी स्थित खाद की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सत्यम फर्टिलाइजर, गुप्ता फर्टिलाइजर और मां शारदा ट्रेडर्स सहित अन्य दुकानों पर खाद की उपलब्धता और बिक्री व्यवस्था की जांच की गई। अधिकारियों ने पॉश मशीन के माध्यम से स्टॉक का मिलान किया। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार ने खाद विक्रेताओं को निर्देश दिए कि किसानों को निर्धारित सरकारी दर पर ही खाद उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट



किया कि डीएपी खाद की बिक्री 1,360 रुपये प्रति बोरी की निर्धारित दर पर ही की जाए। निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने या खाद बिक्री में अनियमितता करने की शिकायत मिलने पर संबंधित दुकानदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी प्रशासन की इस कार्रवाई

का उद्देश्य खाद की कालाबाजारी और ओवररेटिंग पर अंकुश लगाना है, ताकि किसानों को खाद के लिए परेशान न होना पड़े अधिकारियों ने दुकानदारों को स्टॉक और बिक्री का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने तथा किसानों को निर्धारित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

56वां श्री श्याम प्रभु खाटू वाले का वार्षिक महोत्सव 17 से 21 नवम्बर तक, विशाल जागरण एवं शोभा यात्रा समेत 5 दिवसीय आयोजन

ग्वालियर, जीएनएस।

श्री श्याम मण्डल श्याम हवेली (रजि.) ग्वालियर द्वारा 56वां श्री श्याम वार्षिक महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ 17 नवम्बर से 21 नवम्बर 2026 तक श्री श्याम हवेली, 81/3 न्यू कॉलोनी, पाताली हनुमान के पीछे, हजीरा, ग्वालियर पर मनाया जा रहा है।

यह महोत्सव परम श्रद्धेय भक्त शिरोमणि श्यामलीन श्री किशन बाबा जी (संस्थापक - श्री श्याम मण्डल) के परम आशीर्वाद एवं सानिध्य में आयोजित हो रहा है।

आयोजन समिति के पदाधिकारी - चरण सेवक- श्री श्याम अग्रवाल, अध्यक्ष- श्री एम. के. अग्रवाल, सचिव- श्री राजकुमार सराफ, उपसचिव- श्री संजीव सिंघल (दाल बाजार) एवं समस्त

श्याम मण्डल सदस्यगण।

पांच दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा-

17 नवम्बर 2026, मंगलवार - श्री श्याम हवेली

सायं 7 बजे अखण्ड ज्योति प्रज्वलन एवं भजन कीर्तन

सायं 9 बजे से सुंदरकाण्ड का पाठ - पं. हरिओम व्यास जी द्वारा

18 नवम्बर 2026, बुधवार रात्रि 8 बजे से पुराने भजनों की चौपाल

19 नवम्बर 2026, गुरुवार सायं 7 बजे से भजनों का अखाड़ा - श्री कुमार गौरव पारिख (कोलकाता) एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा

20 नवम्बर 2026, शुक्रवार दोपहर 12 बजे से निशान पूजन

दोपहर 2 बजे से श्री श्याम

प्रभु की भव्य शोभा यात्रा (श्री श्याम हवेली से हजीरा, बिरला नगर होते हुए वापिस श्री श्याम हवेली पर)

सायं 7 बजे से विशाल जागरण - प्रभु इच्छा तक

आमंत्रित भजन गायक- श्री नरेश नरसी (फतेहाबाद), श्री मनोज शर्मा (ग्वालियर), श्री गुलाब नाथ जी (रामगढ़ शेखावाटी), श्री सुनील जैन (दिल्ली) एवं सभी स्थानीय कलाकार

21 नवम्बर 2026, शनिवार - श्री श्याम हवेली

प्रातः 9 बजे हवन, दोपहर 1 बजे से प्रसादी आपके आगमन तक कार्यक्रम संयोजक श्री प्रमोद कुमार टिबड़ीवाल (फरीदाबाद) ने बताया कि हर महीने शुक्ल पक्ष एवं कृष्ण पक्ष की एकादशी के कीर्तन में आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

ग्वालियर की महिला पटवारियों ने स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री का काम पूरा कर पेश की मिसाल, कलेक्टर ने की सराहना करवा चौथ पर निर्जला व्रत के बीच भी निभाया कर्तव्य, ग्रामीणों को दिलाया जमीन का मालिकाना हक



अनीतारानी परिहार तहसील चीनोर



रेखा सोनी घाटीगांव



सुरभि गुप्ता चीनोर

ग्वालियर जीएनएस

करवा चौथ पर जहां महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना के लिए निर्जला व्रत रखती हैं, वहीं ग्वालियर जिले की महिला पटवारियों ने व्रत और पूजा की तैयारियों के बीच अपनी सरकारी जिम्मेदारी भी पूरी निष्ठा से निभाई। माथे पर सिंदूर, हाथों में मेहंदी और मन में पति की मंगलकामना लिए ये महिला पटवारी अपने-अपने क्षेत्रों में स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री के काम में जुटी रहीं। उन्होंने ग्रामीणों को उनकी आवासीय भूमि का मालिकाना हक दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई।

इन पटवारियों की मेहनत से उन परिवारों को अपनी आवासीय जमीन का कानूनी अधिकार मिलने की राह आसान हुई, जो लंबे समय से मालिकाना हक के दस्तावेजों का इंतजार कर रहे थे। दस्तावेज मिलने पर ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। महिला पटवारियों ने परिवार की परंपराओं के साथ प्रशासनिक दायित्व निभाकर आस्था और कर्तव्य के बीच बेहतर तालमेल की मिसाल पेश की।

इसमें तहसील चीनोर की अनीतारानी परिहार, सुरभि गुप्ता और राधा शर्मा, घाटीगांव की रेखा सोनी और रिचा शर्मा, डबरा की साधना पहाड़िया, समर सुल्तान और भारती पाठक, मुरार की गायत्री महोबिया तथा भितरवार की अर्चना दुबे शामिल हैं। ग्रामीणों ने महिला पटवारियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि परिवार और प्रशासन दोनों की जिम्मेदारियां निभाने वाली ऐसी महिलाएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कलेक्टर रुचिका चौहान ने भी सभी महिला पटवारियों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें करवा चौथ व्रत की बधाई और शुभकामनाएं दीं।



राधा शर्मा चिनोर



रिचा शर्मा घाटीगांव



साधना पहाड़िया तहसील डबरा



समर सुल्तान तहसील डबरा



अर्चना दुबे तहसील भितरवार



भारती पाठक तहसील डबरा



www.shramsadhnaneews.com

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में आदित्य खटीक और अनुराग भदौरिया ने मारी बाजी, 3 नवंबर को पटना में राष्ट्रीय स्तर पर लगाएंगे दौड़
रेड रन में जीवाजी विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों
ने हासिल किए प्रथम और द्वितीय स्थान

ग्वालियर जीएनएस
मध्य प्रदेश राज्य एड्स
नियंत्रण समिति भोपाल और राष्ट्रीय
सेवा योजना मध्य प्रदेश रेड रिबन
क्लब के संयुक्त तत्वावधान में
आयोजित राज्य स्तरीय रेड रन-
2026 प्रतियोगिता में जीवाजी
विश्वविद्यालय ग्वालियर के
प्रतिभागियों ने प्रथम और द्वितीय
स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय
का गौरव बढ़ाया। भोपाल के ज्ञान-
विज्ञान भवन में आयोजित इस

प्रतियोगिता में प्रदेश के सातों विश्वविद्यालयों से चयनित स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। इसमें कुल 42 प्रतिभागियों ने दौड़ लगाई।

पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान एलएनआईपी के आदित्य खटीक ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान श्यामलाल पांडवी महाविद्यालय के अनुराग भदौरिया को मिला। दोनों प्रतिभागी जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर से जुड़े हैं। प्रतियोगिता में

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 10 हजार, द्वितीय को सात हजार और तृतीय स्थान के विजेता को पांच हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया।

प्रदेश से चयनित तीन पुरुष और तीन महिला स्वयंसेवक तीन नवंबर को पटना में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जीवाजी विश्वविद्यालय के दल प्रभारी आकाश अस्थाना ने प्रतियोगिता के दौरान स्वयंसेवकों

का उत्साहवर्धन किया। विश्वविद्यालय स्तर पर यह प्रतियोगिता ग्वालियर में माधव महाविद्यालय के आयोजन सहयोग से हुई थी।

प्रतिभागियों की उपलब्धि पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. हरिशंकर कंसाना, जिला संगठक डॉ. मनोज अवस्थी और माधव महाविद्यालय के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पांडे ने बधाई दी।



100 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग
पर्यटक स्वागत केंद्र छत्री रोड
पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और
प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन



शिवपुरी जीएनएस
जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद शिवपुरी के तत्वाधान में पर्यटक स्वागत केंद्र, छत्री रोड पर गतिदिवस विभिन्न आकर्षक प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परिषद के समन्वय से दोपहर से लेकर देर शाम तक आयोजित इस कार्यक्रम में जिले की स्थानीय प्रतिभाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन के तहत दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक विशेष रूप से मेहंदी एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई,

जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके पश्चात सायं 6.30 बजे से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। इस दौरान जूनियर एवं सीनियर वर्ग की नृत्य प्रतियोगिताओं के साथ-साथ देशभक्ति गीत, धार्मिक गीत और लोकगीत गायन के आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिससे पूरा परिसर सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आया। जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी पुष्पल प्रताप सिंह की पहल एवं समन्वय से आयोजित इस कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यालय का भी हुआ उद्घाटन, 4 से 6 दिसंबर तक जुटेंगे तीन हजार से अधिक युवा

शताब्दी संकल्प शिविर की तैयारियों का शुभारंभ, मेला मैदान में भूमि पूजन

ग्वालियर जीएनएस
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यभारत प्रांत के शताब्दी संकल्प शिविर की तैयारियों का शुक्रवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। ग्वालियर के मेला मैदान में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भूमि पूजन किया गया। इसी अवसर पर शिविर के लिए स्थापित कार्यालय का उद्घाटन भी किया गया।

कार्यक्रम में लाल टिपारा के ऋषभदेव महाराज, संघ के ग्वालियर विभाग सह संघचालक रवि अग्रवाल, जिला संघचालक राजेन्द्र घुरैया, मध्य क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य यशवंत



इंदापुरकर, प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता और प्रांत सह कार्यवाह विजय दीक्षित सहित प्रांतीय एवं विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन में विभिन्न दायित्वों से जुड़े

कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए।

शताब्दी संकल्प शिविर का आयोजन 4 से 6 दिसंबर 2026 तक ग्वालियर मेला मैदान में किया

जाएगा। इसमें मध्यभारत प्रांत के तीन हजार से अधिक दायित्ववान युवाओं के शामिल होने की संभावना है। तीन दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों को राष्ट्रबोध, सामाजिक चेतना, संगठनात्मक जीवन और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

भूमि पूजन और कार्यालय उद्घाटन के साथ ही शिविर की तैयारियों को गति मिल गई है। बड़ी संख्या में युवाओं की सहभागिता को देखते हुए आयोजन स्थल पर व्यवस्थाएं जुटाने का काम शुरू कर दिया गया है।

फैशन एक्सपो में उमड़ा जनप्रतिनिधियों का हुजूम

शिवपुरी जीएनएस
कमला हेरिटेज में एमजे इवेन्ट्स एवं मिताक्षी ब्लॉग्स की ओर से आयोजित दो दिवसीय शिवपुरी फैशन एक्सपोजे का समापन उत्साह के साथ हुआ। दूसरे दिन विधायक देवेन्द्र जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव और जनपद अध्यक्ष हेमलता रावत ने पहुंचकर स्टॉल का अवलोकन

किया और खरीदारी की।

समापन समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव, भाजपा महामंत्री ललितेश सिंह भैया, मंडल अध्यक्ष गिर्राज शर्मा सहित गणमान्य नागरिक और व्यापारी शामिल हुए। प्रायोजकों अभिषेक विजयवर्गीय, धर्मेन्द्र यादव और प्रकाश सोनी सहित सहयोगियों को हैम्पर देकर सम्मानित किया गया।



पोहरी विधानसभा स्तरीय लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत प्रमुख नागरिक गोष्ठी संपन्न

शिवपुरी/पोहरी जीएनएस
पोहरी क्षेत्र के कॉलेज में बुद्धिजीवी वर्ग की विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा मध्यप्रदेश के प्रवक्ता धैर्यवर्धन ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान हटाए गए वोटर्स में दो करोड़ अस्सी लाख लोग मर चुके थे, तीन करोड़ अनुपस्थित हैं, छह करोड़ तीस लाख मतदाता स्थाई तौर पर स्थानांतरित हैं एवं एक करोड़ मतदाता डुप्लीकेट अर्थात दो जगहों पर दर्ज था जिनको हटाया

गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव ने की। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रमुख नागरिक गोष्ठी में प्रदेश प्रवक्ता एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता धैर्यवर्धन शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव एवं पूर्व मंत्री सुरेश धाकड़, पूर्व विधायक नरेंद्र बिरथरे सहित भाजपा नेता दिलीप मुद्गल आदि ने भी संबोधित किया। गोष्ठी में लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक



मर्यादाओं, सामाजिक जिम्मेदारी तथा राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस

अवसर पर वक्ताओं ने नागरिकों से लोकतंत्र की मजबूती, सामाजिक सौहार्द और जनहित के मद्दों के

प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। गोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने, नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने और जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक चर्चा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को लोकतंत्र के प्रति उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना और समाज में जिम्मेदार नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर

पर उपस्थित नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं का माल्यार्पण कर सम्मान किया तथा गोष्ठी में भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव प्रदेश प्रवक्ता धैर्यवर्धन शर्मा, पूर्व मंत्री सुरेश धाकड़, दिलीप मुदगल, जिला कार्यालय प्रभारी विकी मंगल, मंडल अध्यक्ष पोहरी आशुतोष जैमिनी , बैराड धीरज व्यास , झिरी विष्णु परिहार, चंदन धाकड़, पूर्व विधायक नरेन्द्र बिरथरे, जनपद अध्यक्ष रामकली आदिवासी उपस्थित रहे ।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने स्वास्थ्य कार्यक्रमों का करें प्रभावी क्रियान्वयन: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल, जीएनएस। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जबलपुर संभाग के अंतर्गत जबलपुर, मंडला एवं नरसिंहपुर जिलों में पदस्थ बंधपत्र चिकित्सकों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सकों को पूरी प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रोत्साहित किया और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए मनोयोग से सेवा प्रदाय करने का आह्वान किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, उनकी गुणवत्ता में सुधार और आम नागरिकों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। बंधपत्र चिकित्सक ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने चिकित्सकों से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, एनीमिया नियंत्रण, सिकल सेल रोग की पहचान एवं प्रबंधन तथा गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) से संबंधित कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बंधपत्र चिकित्सकों की पदस्थापना, ज्वाइनिंग, कार्यपरिस्थितियों एवं उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमएचओ) को निर्देश दिए कि चिकित्सकों के रहने, भोजन, पेयजल, विद्युत तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। चिकित्सकों को सकारात्मक एवं सहयोगपूर्ण कार्य वातावरण

चिकित्सकों की समस्याओं के निराकरण और बेहतर कार्यपरिस्थितियां सुनिश्चित करने के निर्देश

उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे पूरी क्षमता और समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दे सकें। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। जिला स्तर पर आवश्यक प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के साथ ही संबंधित खंड चिकित्सा अधिकारियों (बीएमओ) को भी अपने क्षेत्र में पदस्थ चिकित्सकों की सुविधाओं एवं कार्यप्रणाली की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। मंडला जिले की समीक्षा के दौरान सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहंती ने जानकारी दी कि जिले में कुल 67 बंधपत्र चिकित्सक पदस्थ किए गए हैं, जिनमें से 50 चिकित्सक ज्वाइन कर सेवाएं दे रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने

शेष चिकित्सकों की ज्वाइनिंग की स्थिति की समीक्षा करने तथा पदस्थ चिकित्सकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने मंडला जिले के बीजाडोई विकासखंड के ग्राम जमथर में पदस्थ बंधपत्र चिकित्सक डॉ. आशीष पारस से सीधे संवाद कर उनकी कार्यस्थिति एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि चिकित्सक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे निर्धारित ओपीडी एवं सेवा स्थल पर उपस्थित रहें, ताकि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को समय पर उपचार मिल सके। उन्होंने बिजली एवं पानी की समस्या के निराकरण और स्वास्थ्य संस्था में आवश्यक

मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जबलपुर के मझगावां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ बंधपत्र चिकित्सक डॉ. अंजू मरावी से संवाद किया। उन्होंने चिकित्सक से कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्याओं, ओपीडी के समय, टेलीमैडिसिन सेवाओं, अस्पताल में उपलब्ध दवाओं तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मानव संसाधनों की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बंधपत्र चिकित्सकों को बेहतर कार्यपरिस्थितियां एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक

है कि स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति रहे, मरीजों को समय पर चिकित्सकीय परामर्श मिले तथा शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित समीक्षा करते हुए कमियों को दूर किया जाए और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच एवं गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जबलपुर कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा, सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी, बंधपत्र चिकित्सक नोडल डॉ. पंकज ग्रोवर, डॉ. कमलेश वर्मा, डॉ. वैशाली खन्ना सहित जबलपुर, मंडला एवं नरसिंहपुर के संबंधित बीएमओ, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एवं अस्पताल प्रबंधन के अधिकारी उपस्थित रहे।

करवा चौथ पर पति की हर्ष फायरिंग में पत्नी को लगी गोली

छत पर चांद देखने के दौरान हुआ हादसा, भट्ठा संचालक की पत्नी की हालत गंभीर, आगरा रेफर फिरोजाबाद, जीएनएस। करवा चौथ पर एक ओर महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना के लिए चांद का दीदार कर रही थीं, वहीं थाना दक्षिण क्षेत्र में हर्ष फायरिंग के दौरान एक महिला को गोली लग गई। आरोप है कि महिला के पति ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग की, जिसमें उसकी पत्नी घायल हो गई। महिला को गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर से आगरा रेफर किया गया है। घायल महिला का पति भट्ठा संचालक बताया गया है। मोहल्ला महावीर नगर, गली नंबर एक निवासी शिवा (40)

पत्नी राजकुमार यादव बृहस्पतिवार शाम परिवार के साथ घर की छत पर करवा चौथ का चांद देखने गई थीं। इसी दौरान पति राजकुमार यादव ने कथित तौर पर अपनी लाइसेंसी पिस्टल से हर्ष फायरिंग कर दी। इस दौरान गोली शिवा को लग गई और वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ीं। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। परिजन आनन-फानन में घायल महिला को उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने महिला की गंभीर हालत को देखते हुए आगरा रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शताब्दी संकल्प शिविर का भूमि पूजन संपन्न

ग्वालियर, जीएनएस।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्यभारत प्रांत के शताब्दी संकल्प शिविर की तैयारियों का 30 अक्टूबर दिन शुक्रवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। ग्वालियर के मेला मैदान में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिविधान के साथ भूमि पूजन संपन्न हुआ। इसी अवसर पर शिविर के लिए स्थापित कार्यालय का उद्घाटन भी किया गया। कार्यक्रम में श्री ऋषभदेव जी महाराज लाल टिपारा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ग्वालियर विभाग सह संघचालक श्री रवि अग्रवाल जी, ग्वालियर जिला संघ चालक श्री राजेन्द्र घुरैया



जी, मध्य क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य श्री यशवंत जी इंदौरकर, प्रांत प्रचारक श्री विमल गुप्ता जी प्रांत सह कार्यवाह श्री विजय जी दीक्षित एवं अन्य प्रांतीय और विभागीय अधिकारी के साथ

विभिन्न दायित्वों से जुड़े कार्यकर्ता एवं गणमान्य जन भी उपस्थित रहे। शताब्दी संकल्प शिविर आगामी 4 से 6 दिसंबर 2026 तक ग्वालियर मेला मैदान में

आयोजित होगा। इसमें मध्यभारत प्रांत से 3000 से अधिक दायित्ववान युवाओं के सहभागी होने वाले हैं। तीन दिवसीय इस शिविर में विद्यार्थियों को राष्ट्रबोध, सामाजिक चेतना, संगठनात्मक जीवन एवं अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। भूमि पूजन एवं कार्यालय उद्घाटन के साथ ही इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों को औपचारिक शुरुआत मिल गई है। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता को देखते हुए व्यवस्थाओं एवं आयोजन की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

जिले के 2.33 लाख किसानों के खाते में पहुंचे 46.73 करोड़ रुपये

फिरोजाबाद, जीएनएस। पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त शुक्रवार को जारी की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से डीबीटी के माध्यम से देशभर के किसानों के खातों में धनराशि भेजी। जिले के 2,33,651 किसानों के खातों में कुल 46 करोड़ 73 लाख दो हजार रुपये पहुंचे। इस मौके पर विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में पीएम

किसान उत्सव मनाया गया। डीएम ने किसानों को बधाई देते हुए फार्मर रजिस्ट्री कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री होने से किसानों को खाद, बीज, फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड और सरकारी खरीद सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को किसान समाधान दिवस आयोजित किया जाता है।

2 को ब्राह्मण सम्मेलन के पंजीयन का शुभारंभ होगा

सकल ब्राह्मण महासमिति ग्वालियर द्वारा 25 दिसंबर को चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में होने वाले निशुल्क 19 वां निशुल्क ब्राह्मण विवाह योग्य युवक युवती परिचय सम्मेलन में भाग लेने के लिए बायोडाटा पंजीयन का शुभारंभ सोमवार दिनांक 2 नवम्बर

को सायं काल ठीक 5-00 बजे, स्थान-श्री परशु रामेश्वरम मंदिर, सनाढ्य सभा भवन, रामकुई, लश्कर पर श्री गणेश पूजन, जोड़ों के साथ शिवाभिषेक होगा। इसके साथ पंजीयन का शुभारंभ होगा। आज 31 अक्टूबर को सायं काल ठीक 5-00 बजे, सकल ब्राह्मण

महासमिति के प्रधान कार्यालय ऊंट पुल पर अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा जी की अध्यक्षता में ब्राह्मण बुजुर्गों का मिलन समारोह श्री हनुमान चालीसा पाठ के साथ मनाया जाएगा। तत्पश्चात 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक समाज के श्री जगदीश शर्मा, श्री

आशाराम शर्मा जी, ललित कुमार शर्मा, शांति दीक्षित कमला देवी पांडे, शारदा देवी, श्री उमाशंकर त्रिपाठी डॉ. प्रियवृंदा प्रिया शर्मा, प्रेम नारायण शर्मा, डॉ. कांति शुक्ला, सुरेंद्र कुमार पाण्डेय, प्रभा मिश्रा सहित देवलोकगमन वासियों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

मुख्य अतिथि श्री मोहन सिंह राठौड़ ग्वालियर में विकसित भारत युवा संवाद में युवाओं के साथ हुए शामिल

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर में युवा संवाद में बड़ी संख्या में युवा नागरिकों ने ली लोकतांत्रिक शपथ, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत, ग्वालियर द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को माधव विधि महाविद्यालय, ग्वालियर में युवा संवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने युवा नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को एक साझा मंच पर लाकर लोकतांत्रिक जागरूकता को बढ़ावा दिया, जानकारीपूर्ण

भागीदारी को प्रोत्साहित किया और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम में लगभग 200 की संख्या में छात्रों और युवा नागरिकों ने भाग लिया। 26 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक देश भर के 500 विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और संस्थानों में आयोजित की जा रही राष्ट्रव्यापी विकसित भारत युवा संवाद पहल के हिस्से के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम की गरिमा मुख्य अतिथि श्री मोहन सिंह राठौड़,

विधायक जी ने बढ़ाई। पार्षद संजीव पोटनिस, इसमें खेल आइकन के रूप में श्री प्रमोद धनेले, पैरा एथलीट एवं स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर और यूथ आइकॉन श्री विक्रम बघेल भी शामिल हुए, जिनकी उपस्थिति ने सार्वजनिक नेतृत्व, खेल उत्कृष्टता और युवा आकांक्षाओं पर दृष्टिकोण को एक साथ ला दिया। माधव विधि महाविद्यालय में युवाओं को संबोधित करते हुए, विधायक श्री मोहन सिंह राठौड़ ने युवाओं को मतदान के महत्व,

मतदाता जागरूकता, लोकतांत्रिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में बताया और कहा कि जागरूक युवा ही सशक्त लोकतंत्र की नींव हैं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रों और विधायक श्री मोहन सिंह राठौड़ के बीच एक संवादात्मक संवाद था। प्रतिभागियों ने सवाल पूछे और शासन में युवाओं की भागीदारी, नागरिक जिम्मेदारी और पहली बार मतदान करने वालों की भूमिका जैसे विषयों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने केंद्रीय मंत्री श्री चौहान की माताजी के निधन पर व्यक्त किया शोक

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पूजनीय माताजी श्रीमती काशीबाई जी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिवंगत श्रीमती काशीबाई जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक-संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने और शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति एवं धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की है।

साइंस कॉलेज में प्रैक्टिकल के कम अंक देने की शिकायत के बाद मारपीट का आरोप, छात्र पहुंचा फिजिकल थाने

(प्रोफेसर के खिलाफ 181 पर शिकायत करने से नाराज होकर हमला कराने का आरोप; छात्र ने प्राचार्य से सीसीटीवी फुटेज और पुलिस कार्रवाई की मांग की)

शिवपुरी, जीएनएस। शासकीय पीजी महाविद्यालय शिवपुरी में प्रैक्टिकल परीक्षा में कम अंक दिए जाने की शिकायत के बाद एक छात्र के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। एलएलबी पांचवें सेमेस्टर के नियमित छात्र दिलीप जाटव ने प्रोफेसर महेश प्रसाद और उदय

शर्मा पर गंभीर आरोप लगाते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य से शिकायत की है। छात्र ने 29 अक्टूबर 2026 को हुई कथित घटना की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने और संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता दिलीप जाटव निवासी ग्राम किरोली, तहसील एवं जिला शिवपुरी के अनुसार, वह प्रैक्टिकल में कम अंक दिए जाने को लेकर प्रोफेसर महेश प्रसाद के विरुद्ध 181 हेल्पलाइन पर शिकायत कर चुका था। छात्र का आरोप है कि 29 अक्टूबर को



सुबह लगभग 11-30 बजे महाविद्यालय के पुस्तकालय कक्ष में उदय शर्मा ने प्रोफेसर महेश प्रसाद की उपस्थिति में उससे अभद्र व्यवहार किया और पूर्व में

की गई शिकायत को लेकर सवाल उठाए। दिलीप जाटव ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि विवाद के दौरान उसे जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया गया।

छात्र के मुताबिक, जब वह अपना बचाव करते हुए कक्ष से बाहर निकला तो कथित रूप से उसका कॉलर पकड़कर बेल्ट से मारपीट की गई और उसके कपड़े भी फाड़ दिए गए। छात्र का कहना है कि वह किसी तरह महाविद्यालय परिसर से बाहर निकला और डायल 100 पर फोन कर पुलिस को बुलाया।

छात्र ने आरोप लगाया है कि पुलिस के पहुंचने के बाद उसे पूछताछ के लिए फिजिकल थाने ले जाया गया, लेकिन वहां उसकी शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उसने भविष्य में किसी

अप्रिय घटना की आशंका जताते हुए अपनी सुरक्षा की मांग भी की है। छात्र ने आरोप लगाया कि यह घटना प्रोफेसर महेश प्रसाद के कहने पर कराई गई, हालांकि इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

दिलीप जाटव ने शासकीय पीजी महाविद्यालय के प्राचार्य को आवेदन देकर घटना के समय की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने तथा प्रोफेसर महेश प्रसाद और उदय शर्मा के विरुद्ध जातिसूचक गालियां देने, मारपीट और धमकी से संबंधित आरोपों की जांच कर नियमानुसार एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है।

शासकीय कन्या महाविद्यालय चाचौड़ा में जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता सम्पन्न

गुना, जीएनएस।

उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में महाविद्यालय स्तर पर जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय कन्या महाविद्यालय चाचौड़ा में उत्साह एवं गरिमायुक्त वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रभारी प्राचार्य डॉ. गोरेलाल बिसेरिया, नेशनल योगासन जज एवं गुना योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगाचार्य महेश पाल, पर्यवेक्षक डॉ. शैलेन्द्र सिंह परिहार तथा अतिथि डॉ. सोनल दीक्षित, डॉ. नरेंद्र भास्कर एवं डॉ. विनोद छरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुलदीप शर्मा ने किया। प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक की भूमिका नेशनल योगासन जज योगाचार्य महेश पाल ने निभाई, जबकि निर्णायक के रूप में श्री श्रीराम माली एवं सुश्री नेहा नागर उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में ट्रेडिशनल इंडिविजुअल, ट्रेडिशनल



ग्रुप, सूर्य नमस्कार, आर्टिस्टिक सिंगल एवं रिदमिक इंडिविजुअल सहित विभिन्न योगासन स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। बालक एवं बालिका वर्ग की प्रतियोगिताएं अलग-अलग आयोजित की गईं, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी योगासन प्रतिभा, शारीरिक क्षमता एवं तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का विशेष आकर्षण इसका वैज्ञानिक एवं तकनीकी मूल्यांकन रहा। निर्णायक मंडल द्वारा ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी एवं योगासन भारत के निर्धारित नियमों और मूल्यांकन पद्धति के अनुरूप माइक्रो मार्किंग सिस्टम से

अंक प्रदान किए गए। प्रत्येक आसन का मूल्यांकन 10 अंकों के आधार पर किया गया, जिसमें आसन की स्थिरता शारीरिक मुद्रा की शुद्धता (Posture Perfection), आसन में प्रवेश एवं उससे बाहर आने की तकनीक शरीर का लचीलापन आसन का कठिनाई स्तर तथा निर्धारित समय तक आसन को धारण करने की क्षमता जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी पक्ष शामिल रहे। इसमें कंपलसरी आसन में 1 मिनट और ऑप्शनल आसन में 45 सेकंड प्रत्येक आसन होल्ड किया गया।

ट्रेडिशनल ग्रुप स्पर्धा में प्रत्येक टीम द्वारा सूर्य नमस्कार

ओर पांच अनिवार्य एवं चार वैकल्पिक आसनों का निर्धारित क्रम में प्रदर्शन किया गया। इसमें आसनों की तकनीकी शुद्धता, शरीर का संतुलन, समन्वय, एकाग्रता एवं निर्धारित प्रोटोकॉल का विशेष ध्यान रखा गया। योगाचार्य महेश पाल द्वारा प्रतिभागियों को आसनों के सही एलाइनमेंट, श्वास-प्रश्वास के समन्वय तथा सुरक्षित अभ्यास की तकनीक के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल आसनों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में योगासन खेल की वैज्ञानिक समझ, अनुशासन, शारीरिक दक्षता एवं खेल भावना विकसित करना भी रहा। परिणामों में बालक वर्ग में शासकीय महाविद्यालय आरोन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में भी शासकीय महाविद्यालय आरोन की टीम प्रथम स्थान पर रही तथा शासकीय कन्या महाविद्यालय चाचौड़ा की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ अभियान के तहत 1 को दिल्ली में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

(शिवपुरी में प्रेस वार्ता के जरिए रैली की जानकारी साझा, लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा का उठाया मुद्दा)

जीएनएस। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा तथा मतदाताओं के अधिकारों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ अभियान के तहत 1 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली आयोजित किए जाने की जानकारी शिवपुरी में प्रेस वार्ता के माध्यम से साझा की गई। प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल बनाने और देशभर से नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों को जुटाने की तैयारी की बात कही गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रैली रविवार, 1 नवंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होना प्रस्तावित है। कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं, चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और चुनाव आयोग की जवाबदेही जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना बताया गया है।

कांग्रेस का आरोप है कि विभिन्न राज्यों में मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। पार्टी की मांग है कि मतदाता सूची में किए गए बदलावों का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए तथा कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराई जाए, जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रह सके। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उनके इस्तीफे की मांग भी अपने अभियान में शामिल की है। पार्टी का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है। कांग्रेस के अनुसार, ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ अभियान के माध्यम से जनता को मताधिकार के प्रति जागरूक किया जाएगा। पार्टी बूथ स्तर पर मतदाता सूचियों के सत्यापन, शिकायतों के संकलन और जनजागरूकता कार्यक्रमों के जरिए इस मुद्दे को व्यापक जनआंदोलन बनाने की दिशा में काम कर रही है।

अधीक्षक ने स्वास्थ्य पटल में बैठकर सैकड़ों मरीजों का किया इलाज

जालौन, जीएनएस।

नगर व क्षेत्र में जुखाम खांसी बुखार आदि के मरीज दिनों दिन बढ़ रहे हैं।

गुरुवार के दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में सर्वाधिक संख्या में आए हुए मरीजों की संख्या देखते हुए स्वयं अधीक्षक डॉक्टर दिनेश बर्दिया ने स्वास्थ्य पटल की कमान को संभालते हुए आने वाले मरीजों को एक-एक करके तत्परता से जांच कर स्वस्थ करने के लिए अस्पताल में मौजूद दवाइयों को लिखकर दबा काउंटर में भेज कर दबा उपलब्ध कराने हेतु कर्मचारियों को निर्देश दिए साथ में उन्होंने मौजूद मरीजों से कहा की जो दवा प्रत्येक मरीज को दी जा रही है उन दवाओं को समय से सेवन करें साथ में हल्का भोजन कर अपने शरीर से बीमारी को भगाकर स्वस्थ रहने हेतु दिनचर्या तथा भोजन सामग्री आदि में ध्यान

देकर समय से भोजन करें जिससे बीमारी दूर भागेगी आपका शरीर सदैव स्वस्थ रहेगा उन्होंने कहा जो भी मरीज डॉक्टरों की सलाह पर चलता है ऐसे मरीजों को बीमारी आने का कभी मौका नहीं मिलता तथा ऐसे लोगों का शरीर स्वास्थ्य रहता है अधीक्षक ने सुबह सीएचसी में आते ही भ्रमण कर सभी स्वास्थ्य पटलों का निरीक्षण कर निर्देश दिए अस्पताल में सर्वाधिक संख्या में आने वाले मरीजों का होता है इलाज कर स्वस्थ करने हेतु घर को रवाना किया उन्होंने कहा अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को इलाज कर स्वस्थ करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी अस्पताल में मरीज इलाज बाबत कोई भी कठिनाइयों को आड़े नहीं आने दूंगा मरीज को स्वस्थ करने के लिए सारे उपाय हेतु में सदैव अग्रसर रहूंगा।

करवा चौथ पर्व पर महिलाएं एवं पुरुषों ने मिठाई एवं साड़ियों की जमकर खरीदारी की

जालौन, जीएनएस।

करवा चौथ पर्व पर बड़े हर्षोल्लास के तहत मनाने के उद्देश्य से गुरुवार के दिन बाजार में महिलाओं एवं पुरुषों की सर्वाधिक भीड़ रही तथा कपड़े की दुकान एवं सोने चांदी आभूषण की दुकान तथा मिठाइयों की दुकानों में पहुंच कर खरीददारी की तथा बाजार में सर्वाधिक चहल कदमी बराबर बनी हुई नजर आई पर्व महिलाओं के लिए पति के लंबी उम्र दीर्घायु होने के लिए चंद्रमा की पूजा कर सुख समृद्धि सदैव बने रहने हेतु आशीर्वाद मांगा करवा चौथ पर्व को देखते हुए दुकानदार ने कई प्रकार की मिठाइयां बनाकर अपनी दुकान को सुशोभित तरीके से सजाया गया था तथा उक्त दुकानों में जैसे मुन्ना फुल पावर स्थित मिष्ठान भंडार प्रोपराइटर लालू पोरवाल बंटी पोरवाल तथा टरननगंज

स्थित मिष्ठान भंडार प्रोपराइटर सफीक अंसारी आलमपुर स्थित सज्जाद मिष्ठान भंडार प्रोपराइटर सागर उर्फ पणू अंसारी आदि लोगों ने अपनी अपनी दुकानों को बड़े सुशोभित तरीके से सजाकर आने वाले महिलाओं एवं पुरुषों को मिठाइयों का वितरण सुबह से लेकर शाम लगभग 7 बजे तक दुकानों में बराबर आने-जाने की चहल कदमी बनी रही इसी तरह कपड़े की दुकानों में तथा सराफा मार्केट व्यवसायियों के यहां लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा अपनी पत्नियों को खुश करने के लिए हर सामग्री की खरीददारी की उक्त पर्व में रात को लगभग 8 बजे जैसे ही चंद्रमा निकलेगी उसी समय सभी महिलाएं अपने पति को सुख शांति प्रदान करने के लिए चंद्रमा की पूजा अर्चना कर पति के लिए दीर्घायु होने की ईश्वर से कामना करेंगी।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर

0751-2625029

9074257600

शिवपुरी

07492-232149

8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ एवं एसडीएम सहित अधिकारियों ने किया समस्याओं का निराकरण

आरौन में लगा जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर बना भरोसे का मंच

ग्वालियर, 30 अक्टूबर 2026/ मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को ग्वालियर जिले के ग्राम आरौन में आयोजित जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर ने शासन-प्रशासन और आमजन के बीच भरोसे को और मजबूत किया। यह शिविर सीएम हैल्पलाइन की 2267 शिकायतों के निराकरण का माध्यम बना, वहीं शिविर में प्राप्त 43 आवेदनों में से अधिकांश का निराकरण मौके पर ही किया गया। जिस काम के लिए ग्रामीणों को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते, उनका वह काम अपने गांव में ही हो गया। वहीं उद्यमी संवाद एवं लखपति दीदी संवाद ने स्थानीय युवाओं व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई। इसी तरह आरौन से जुड़े मजरे-टोलों के आबादी क्षेत्र बनने का रास्ता खुला तो गाँव के आयुर्वेदिक अस्पताल के लिये जमीन चिन्हित हो गई।

शुक्रवार को आरौन के हाईस्कूल परिसर में विधायक श्री मोहन सिंह राठौर की मौजूदगी में आयोजित हुए इस शिविर में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, एसडीएम श्रीमती जुही गर्ग व सीईओ घाटीगांव सुश्री भारती धाकड़ सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने समस्याओं

का मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर विधायक श्री मोहन सिंह राठौर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आपके घर के नजदीक समस्याओं के समाधान के लिए जन-विश्वास शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की निगरानी राज्य स्तर से होती है।

आरौन से जुड़े मजरे-टोले होंगे आबादी क्षेत्र घोषित होंगे, मिलेगा योजनाओं का लाभ

शिविर की बड़ी सौगात यह रही कि आरौन ग्राम पंचायत से जुड़े मजरे-टोले बेरखेड़ा, लावन का पुरा, भगवानपुरा और किशनपुरा आबादी क्षेत्र घोषित होने का रास्ता खुला है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने राजस्व विभाग की टीम को क्षेत्र का सर्वेक्षण कर आबादी क्षेत्र घोषित करने की कार्यवाही तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। आबादी क्षेत्र घोषित होने पर इन मजरे-टोलों के निवासियों को शासन की तमाम विकास योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

आयुर्वेदिक अस्पताल भवन के लिए जमीन चिन्हित

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने आरौन के आयुर्वेदिक अस्पताल का भवन बनाने के लिए मौके पर ही जमीन का चिन्हांकन करा दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन निर्माण में आ रही



जमीन संबंधी दिक्कत दूर कराई और जहां अस्पताल वर्तमान में संचालित है, उसके नजदीक ही शासकीय जमीन चिन्हित करवा दी। अब जल्द ही यहां अस्पताल भवन बनकर तैयार होगा।

हितग्राहियों को मिला विभिन्न योजनाओं का लाभ

शिविर में लगभग एक दर्जन किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) प्रदान किए गए, जिनसे वे बिना व्याज के कृषि ऋण प्राप्त कर सकेंगे। लगभग एक दर्जन पात्र हितग्राहियों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन मौके पर ही स्वीकृत की गई। दो लोगों को राष्ट्रीय परिवार सहायता के तहत 20-20 हजार रुपये के स्वीकृति पत्र सौंपे गए। लाइली लक्ष्मी योजना में दो नन्ही बेटियों की माताओं को योजना के स्वीकृति पत्र दिए गए। जन सहयोग से स्कूली बच्चों को बैग वितरित किए गए। हाईस्कूल में उत्कृष्ट अंक हासिल कर प्रेरणास्रोत बने मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर

सम्मानित किया गया।

नव उद्यमियों ने युवाओं को दिखाई स्वावलंबन की राह

उद्यमी संवाद के दौरान अनुसूचित जनजाति से ताछुक रखने वाले श्री मदन आदिवासी का कहना था कि उन्होंने भगवान बिरसामुण्डा योजना से अनुदान सहित 2 लाख रुपये का लोन लेकर घाटीगांव में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान खोली है, जिससे उन्हें हर माह लगभग 40 हजार रुपये की आमदनी होने लगी है। इसी तरह श्री मिलन सिंह ने आचार्य विद्यासागर योजना से 5 लाख रुपये का लोन लेकर सफल डेयरी व्यवसाय खड़ा कर लिया है। पीएम विश्वकर्मा योजना से मिली आर्थिक मदद से श्री जगदीश सोनी गहनों का और श्री बाघ सिंह खिलौना का व्यवसाय कर अपने परिवार में खुशियों के नए-नए रंग भर रहे हैं। श्री कीर्तिराम तिवारी ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से मिले 5 लाख रुपये के लोन से

इलेक्ट्रॉनिक की दुकान खोली है। श्री हरिओम शर्मा ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ उठाकर अपने पिता के किराना व्यवसाय को नई ऊँचाईयाँ दी हैं।

ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्व-सहायता समूह से जुड़कर आरौन निवासी श्रीमती रामसखी राजपूत न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनी हैं बल्कि अपने पति को भी आत्मनिर्भर बना दिया है। रामसखी का कहना था कि पहले वे बैंक जाने से डरती थीं। अब वे बैंक सखी बनकर औरों को बैंकिंग के फायदे दिला रही हैं। उनका कहना था ग्वालियर शहर भी हमारे लिये दूर की कौड़ी थी समूह से जुड़ने के बाद हम राष्ट्रपति भवन भी घूमकर आए हैं। कभी मजदूरी करने वाली रामसखी ने अपने पति को ऑटो रिक्शा दिला दिया है। अब दोनों दोनों की कमाई से घर में खुशियाँ समाई रहती हैं। इसी तरह एक अन्य लखपति दीदी सोमवती जब से एनआरएलएम समूह से जुड़ी हैं तब से परिवार के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आया है। कभी दिहाड़ी श्रमिक रहीं सोमवती अब उन्नत खेती कर रही हैं और नई तकनीक से खेतों में बांस-बल्ली पद्धति से टमाटर उगाती हैं, जिससे उन्हें अच्छी खासी आमदनी हो रही है।

किसानों को सलाह- रबी की बोवनी एक सप्ताह पहले करें

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने किसानों को सलाह दी कि वे रबी की बोवनी हर साल की तुलना में कम से कम एक सप्ताह पहले करें। उन्होंने बताया कि मौसम विज्ञानियों और कृषि विशेषज्ञों ने संभावना जताई है कि इस बार फरवरी से ही तापमान बढ़ने लगेगा। इसलिए फसल जल्दी पककर तैयार हो, इसके लिए वर्तमान में मौजूद नमी का उपयोग कर शीघ्र बोवनी करें।

शिविर से पहले संस्थाओं का निरीक्षण, लापरवाही पर कार्यवाई

शिविर से पहले कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत सहित अन्य अधिकारियों ने विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण किया। आरौन के आश्रम शाला की व्यवस्थाएं ठीक न पाए जाने पर कलेक्टर ने यहां पदस्थ शिक्षक का सात दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में रोशनी की पुख्ता व्यवस्था करने और बच्चों को समय पर नाश्ता व मध्याह्न भोजन दिलाना सुनिश्चित करने को कहा। इसी तरह उप स्वास्थ्य केन्द्र में रिकॉर्ड संधारण सही न पाए जाने और एएनएम द्वारा जानकारी न दिए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और एएनएम को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय एकता दिवस रन फॉर यूनिटी का आयोजन, तात्या टोपे स्मारक से होगी शुरुआत

राष्ट्रीय एकता व अखंडता का दिया जाएगा संदेश

शिवपुरी, जीएनएस। लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जायेगा। इस अवसर पर राष्ट्र निर्माण में सरदार बल्लभभाई पटेल के योगदान का स्मरण करने तथा राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सामाजिक सद्भावना एवं नागरिक कर्तव्य के प्रति जन-जागृति विकसित करने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय पर

एक विशाल मैराथन रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा।

जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी डॉ.के.के. खरे ने बताया कि राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली यह रन फॉर यूनिटी दौड़ 31 अक्टूबर 2026 को प्रातः 9 बजे तात्या टोपे स्मारक से प्रारंभ होगी और विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस तात्या टोपे स्मारक पर ही संपन्न होगी। जिले के समस्त संस्थाओं में प्रशिक्षणरत खिलाड़ियों, विद्यालयों

में अध्ययनरत बालक-बालिका खिलाड़ियों तथा शासकीय कर्मचारियों को इस दौड़ में पूरी तन्मयता के साथ शामिल होने के लिए कहा गया है। संबंधित संस्थानों के प्रशिक्षकों, शिक्षकों और प्रभारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि वे अपने संस्थानों के विद्यार्थियों और कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति के साथ इस राष्ट्रीय आयोजन में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। शहर के आमजन भी रन फॉर यूनिटी में शामिल होकर इसे सफल बनाएं।

आपदा मित्र योजना के तहत सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

मुरैना, जीएनएस।

मध्यप्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला मुरैना में आपदा मित्र योजना के अंतर्गत सात दिवसीय द्वितीय सत्र का प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री अश्विनी कुमार सूद द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रशिक्षण के प्रथम दिवस डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री अश्विनी

कुमार सूद ने आपदा प्रबंधन, आपदा के दौरान आपदा मित्रों की भूमिका तथा विभिन्न प्रकार की आपदाओं से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों एवं सावधानियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आपदा की परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाई के महत्व से अवगत कराते हुए प्रशिक्षुओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके उपरान्त कंपनी कमांडर श्री प्रमोद डंडोटिया ने भूकंप आपदा के कारणों, प्रभावों तथा भूकंप के दौरान एवं उसके पश्चात बरती जाने वाली

सावधानियों और सुरक्षा उपायों के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया। वहीं प्लाटून कमांडर श्री दीपक राठौर ने भार उठाने एवं स्थिरीकरण (लिफ्टिंग एंड स्टेबलाइजिंग लोड) की तकनीक का प्रशिक्षण दिया। सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आपदा मित्रों को विभिन्न प्रकार की आपदाओं से निपटने, राहत एवं बचाव कार्यों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त का हुआ अंतरण; कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी में आयोजित हुई संगोष्ठी

शिवपुरी, जीएनएस।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त के तहत देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18,680 करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान राशि का हस्तांतरण, कृषि अवसरचर्चा कोष के अंतर्गत 521 इकाइयों को राष्ट्र को समर्पित करने तथा 12 हॉर्टिकल्चर क्लस्टरों का शुभारंभ शुक्रवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के बनासकांठा से किया गया। इस

राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र, शिवपुरी में कृषकों की सहभागिता के साथ आयोजित भव्य कृषि संगोष्ठी के माध्यम से दिखाया गया।

इसी क्रम में 22 अक्टूबर 2026 से जारी खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत संतुलित उर्वरक प्रबंधन, प्राकृतिक खेती और उन्नत कृषि तकनीकों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही दलहनी फसलों एवं गेहूँ की बुवाई के लिए उपयोगी उन्नत यंत्रों



जैसे हैप्पी सीडर, जीरो टिल मशीन, सुपर सीडर एवं स्मार्ट सीडर इत्यादि के उपयोग के बारे में भी कृषकों को समझाया गया।

संगोष्ठी के दौरान पिपरसमां के प्रातिशील कृषक श्री अवधेश वर्मा ने उपस्थित किसानों और रावे छात्रों को अपने खेतों में

अपनाई जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी से अवगत कराया।

आयोजित कृषि संगोष्ठी के दौरान कृषि अभियांत्रिकी विभाग की टीम द्वारा किसानों और रावे छात्रों को खेतों में नरवाई या पराली न जलाने तथा उसके उचित प्रबंधन की तकनीकों के बारे में जागरूक किया गया। सहायक कृषि यंत्री डॉ. भगवान सिंह नरवरिया द्वारा नरवाई मुक्त मध्यप्रदेश अभियान का शुभारंभ करते हुए इसकी विस्तृत

जानकारी दी गई।

कृषि विज्ञान केंद्र, शिवपुरी के प्रमुख डॉ. पुनीत कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न इस संगोष्ठी में डॉ. एम.के. भार्गव, डॉ. प्रशांत कुमार गुप्ता, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. नीरज कुशवाहा एवं श्री सतेंद्र गुप्ता ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में 40 से अधिक किसानों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शासन की योजनाओं एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों की जानकारी प्राप्त की।

सफलता की कहानी : कच्ची पगडंडी बनी विकास की राह...

ग्वालियर, जीएनएस।
कभी बरसात के मौसम में घोंघा बिलौआ रोड से सूखापठा (गोलपहाड़िया) तक का लगभग 3 किलोमीटर लंबा मार्ग ग्रामीणों के लिए इम्तिहान की घड़ी हुआ करता था। कच्चे रास्ते पर कीचड़ और फिसलन के कारण यहां से गुजरना बड़े मुश्किल का काम था। बीमार को अस्पताल पहुँचाना, बच्चों का स्कूल जाना और किसानों की

उपज का मंडी तक पहुँचना, हर काम मुश्किल हो जाता था। पर अब 3 किलोमीटर लंबी यह कच्ची पगडंडी विकास की नई राह बन गई है।
विकासखण्ड डबरा के इस गाँव में प्रदेश की सबसे पिछड़ी जनजातियों में शुमार सहरिया जनजाति के लगभग 223 लोग रहते हैं, जो इस पगडंडी पर पक्के रास्ते की राह देख रहे थे। उनकी

यह प्रतीक्षा पीएम जन-मन (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान) ने पूरी कर दी। इस अभियान के दौरान प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत घोंघा बिलौआ रोड से सूखापठा (गोलपहाड़िया) मार्ग की स्वीकृति मिली और जून 2026 में 237.49 लाख रुपये की लागत से लगभग 3 किलोमीटर लंबा डामरीकृत मार्ग बनकर तैयार हो

गया। मार्ग में चार पुलियाओं का निर्माण भी कराया गया है, जिससे बरसात का पानी अब आवागमन में बाधा न बने।
सड़क बनते ही गाँव की तस्वीर बदलने लगी है। डामरीकृत मार्ग और पुलियाओं के कारण ग्रामीणों को अब चौबीसों घंटे और हर मौसम में आवागमन की सुविधा मिल रही है। किसान अपनी उपज आसानी से मुख्य मंडी

तक पहुँचा पा रहे हैं, जिससे उन्हें समय और मेहनत दोनों की बचत हो रही है। स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों की राह आसान हुई है और स्वास्थ्य सुविधाएँ भी अब सुगम हो गई हैं।
जहाँ पहले धूल भरा ऊबड़-खाबड़ रास्ता था, वहाँ आज खेतों के बीच से गुजरती काली, चिकनी सड़क गाँव को मुख्य मार्ग से जोड़ रही है। यह बदलाव केवल

सड़क का ही नहीं, सहरिया समुदाय के लिए सम्मान, अवसर और बेहतर भविष्य की नई शुरुआत भी है। गाँव के सहरिया जनजाति के लोगों का कहना है कि पीएम जन-मन अभियान सही मायने में हम लोगों के जीवन में नया उजाला लेकर आया है। इसके लिये हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति सदैव आभारी रहेंगे।

स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके उत्पादों को सराहा

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने 'जनजातीय शिल्पकार नामिका मेले' का किया निरीक्षण

ट्राइफेड प्रतिनिधियों से उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराने पर हुई चर्चा शिवपुरी, जीएनएस।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने शिवपुरी स्थित मानस भवन में आयोजित 'जनजातीय शिल्पकार नामिका मेले' का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों से जुड़ी जनजातीय महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल्स पर पहुँचकर उनसे सीधा संवाद किया और उनके उत्पादों का अवलोकन किया।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने जिले के विकासखंडों के विभिन्न ग्रामों से आई महिला शिल्पकारों के प्रयासों की सराहना की। जनजातीय महिलाओं को उनके उत्पादों का उचित और बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने ट्राइफेड के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की, ताकि इन स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके।



बूढ़ाडोंगर बंदरवास की महिलाओं द्वारा निर्मित जैकेट की सराहना

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने एक-एक कर सभी स्टॉल पर जाकर जनजातीय महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद देखे। जिसमें स्थानीय निर्माण प्रक्रिया और संस्कृति की झलक देखी गई। विभिन्न रोगों के उपचार के लिए जड़ी बूटियों का भी प्रदर्शन किया गया। मेले में बुढ़ाडोंगर बंदरवास

की महिलाओं द्वारा जैकेट प्रदर्शित किए गए। इस स्टॉल पर पहुँचकर कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने महिलाओं द्वारा तैयार किए गए जैकेट की सराहना की और मौके पर ही ट्राइफेड के अधिकारियों से उचित बाजार उपलब्ध कराने पर चर्चा की और कहा कि यदि बड़े स्तर पर इन जैकेट को ले जाया जाएगा तो महिलाओं को उसका उचित मूल्य मिलेगा और उत्पाद को भी बड़े स्तर पर पहचान

मिलेगी।
मेले में इन ग्रामीण महिलाओं ने प्रदर्शित किए अपने उत्पाद मेले में विभिन्न ग्रामों से आई महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों ने अपने पारंपरिक, हस्तनिर्मित और जैविक उत्पादों का प्रदर्शन किया जिसमें शुद्ध सरसों और मूँगफली का तेल, खजूर की झाड़ू, सूखा आंवला, मक्का और पौष्टिक दलिया प्रदर्शित किया। राजकुमारी आदिवासी द्वारा तैयार

की गई पारंपरिक डलियां मेले का आकर्षण रही। पारंपरिक और स्वादिष्ट बरी-पापड़ का भी स्टॉल लगाया गया।

कलेक्टर श्री वर्मा ने महिलाओं के इस स्वावलंबन और उद्यमिता की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे मेलों से जनजातीय महिलाओं की आजीविका मजबूत होगी और वे आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगी। जिला प्रशासन की ओर से उनके उत्पादों की बिक्री और मार्केटिंग के लिए हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। इस मौके पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजय राज, मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक डॉ.अरविंद भार्गव, सहायक प्रबंधक ट्राइफेड श्री पी.एम. खदाने एवं सहायक प्रबंधक ट्राइफेड श्री जी.के. रजक सहित स्वसहायता समूह की महिलाएं एवं अन्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

दिशा चिल्ड्रेन प्रोग्राम ने 50 टीबी मरीजों को लिया गोद

मरीजों को बांटों पोषण पोटलियां, नियमित दवा लेने और पौष्टिक आहार अपनाने की दी सलाह

फिरोजाबाद। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत शुक्रवार को रामनगर में दिशा चिल्ड्रेन प्रोग्राम (पेस) की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संस्था ने 50 टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण पोटलियां वितरित कीं। कार्यक्रम में मरीजों को नियमित उपचार और पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक किया गया।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कमलेश वर्मा ने कहा कि टीबी का इलाज नियमित दवाओं और पौष्टिक आहार से संभव है। मरीज चिकित्सक की सलाह के अनुसार दवाओं का पूरा कोर्स करें। बीच में दवा छोड़ने से बीमारी गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में मरीजों को पोषण संबंधी सहयोग देना महत्वपूर्ण है।

विद्या भारती ब्रज प्रदेश के नवीन कार्यालय का भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न

समाज और राष्ट्र के निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका - यतीन्द्र जी

मथुरा, जीएनएस।
30 अक्टूबर 2026। विद्या भारती ब्रज प्रदेश, माधवकुञ्ज, मथुरा के नवीन कार्यालय के भूमि पूजन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं वैदिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र जी, मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर पूज्य मां साध्वी ध्यानमूर्ति जी, ब्रज प्रदेश संगठन मंत्री श्री हरीशंकर जी, राष्ट्रीय सेविका समिति की अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख सुश्री शरणरेणु दीदी, पूर्व मंत्री भारतीय शिक्षा समिति श्री कृष्णदयाल अग्रवाल जी एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. रोशन लाल जी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन कर नवीन कार्यालय की नींव की ईंट रखी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंचस्थ अतिथियों द्वारा ईश वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने उपस्थित अतिथियों का परिचय कराया। विद्या भारती ब्रज प्रदेश के मंत्री

प्रोफेसर डॉ. प्रभास्कर राय ने कार्यक्रम की प्रस्ताविका प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्तमान में ब्रज प्रदेश में भारतीय शिक्षा समिति, शिशु शिक्षा समिति, जन शिक्षा समिति एवं भारतीय श्री विद्या परिषद सहित चार समितियां कार्यरत हैं, जिनके अलग-अलग कार्यालय हैं। प्रस्तावित नवीन कार्यालय में सभी समितियों के कार्यालय एक ही परिसर में संचालित होंगे। यह कार्यालय आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण होगा तथा संगठनात्मक गतिविधियों को गति प्रदान करेगा। इस अवसर पर विद्यालय के भैया माधव ने %निर्माणों के पावन युग में% एकल गीत प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुख्य वक्ता अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज शिक्षा में परिवर्तन की चर्चा व्यापक स्तर पर हो रही है। विद्या भारती वर्ष 1952 से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही है। शिक्षा में परिवर्तन से समाज में परिवर्तन और समाज में परिवर्तन से वैचारिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम, समर्पण



और साधना के बल पर विद्या भारती आज वनवासी, गिरवासी, ग्रामीण, शहरी एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में शिक्षा का कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य हिन्दुत्वनिष्ठ पीढ़ी का निर्माण करना है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग शिक्षा के भारतीयकरण को हिन्दूकरण अथवा भगवाकरण कहकर आरोप लगाते हैं, जबकि हिन्दुत्व का विचार केवल किसी संगठन का विचार नहीं, बल्कि हमारे ऋषियों की जीवन दृष्टि है। विद्या भारती अगले वर्ष अपने 75 वर्ष पूर्ण करने जा रही है और वर्तमान में पुस्तक लेखन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कार्य और कार्यकर्ताओं दोनों के लिए कार्यालय की आवश्यकता होती

है। विद्या भारती ने सीमित साधनों में भी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। संगठन महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी निरंतर प्रयासरत है। कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें यह विचार करना चाहिए कि हम समाज के लिए क्या कर सकते हैं। कार्यकर्ता को नाम और यश की कामना किए बिना साधना भाव से कार्य करना चाहिए। राजनीतिक अनुकूलताओं के बीच भी सावधान रहते हुए समाज के द्वारा समाज के लिए कार्य करने की प्रवृत्ति बनी रहनी चाहिए। कार्य और कार्यकर्ताओं के विचार में किसी प्रकार की विकृति न आए तथा हमारी साधना कभी खंडित न हो। मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर

पूज्य मां साध्वी ध्यानमूर्ति जी ने अपने आशीर्वाचन में कहा कि खुशियां बांटने से खुशियां ही प्राप्त होती हैं, इसलिए सदैव प्रसन्नता बांटते रहना चाहिए। उन्होंने नवीन कार्यालय के शीघ्र निर्माण की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें अखंड भारत के निर्माण का विचार करना चाहिए। व्यक्ति के बजाय व्यक्तित्व निर्माण पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि व्यक्तित्व सोच स्वार्थ की ओर ले जाती है, जबकि व्यक्तित्व की दृष्टि से सोचने पर समाज और राष्ट्र का हित सर्वोपरि होता है। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं संस्कारों का निर्माण करते हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि प्रत्येक विद्यार्थी संस्कारयुक्त शिक्षा प्राप्त करे। विद्या भारती ने शरीर के साथ-साथ हृदय को भी हिन्दुत्वनिष्ठ बनाने का कार्य किया है। संगठन को अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करते हुए अपने विचारों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहिए। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. रोशन लाल जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार

व्यक्त करते हुए कहा कि यदि हम अपने कार्य की गति को और बढ़ाएं तो समाज की विद्या भारती से जो अपेक्षाएं हैं, वे निश्चित रूप से फलीभूत होंगी।

कार्यक्रम के अंत में भारतीय श्री विद्या परिषद की मंत्री श्रीमती नीरजा शर्मा ने सभी अतिथियों, कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित जनसमूह का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय वंदेमातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री राजीव पाठक जी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री यशवीर सिंह जी, श्री हरवीर सिंह जी व श्री विनय कुमार सिंह जी ने किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती प्रेमापानू, श्री पद्मानाभ गोस्वामी जी, डॉ आर पी सिंह, विभाग कार्यवाह अरूण दीक्षित जी, श्री देवेन्द्र यादव, डॉ. मालती मिश्रा, अध्यक्ष डॉ. गुलशन कुमार, प्रबंधक श्री कामता प्रसाद गुप्ता, प्रोफेसर सुनील कुमार राय, डॉ. रामसेवक, श्री राजीव पाठक, श्री विनय कुमार, श्री उमेश शर्मा, श्री केशव सिंह, श्री नरेंद्र कुमार सहित अनेक गणमान्यजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक डॉ. सिकरवार के नेतृत्व में हुई बैठक, रामलीला मैदान में गुंजेगा 'वोट चोर गद्दी छोड़' का नारा

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए दिल्ली रैली में शामिल होंगे हजारों कार्यकर्ता

ग्वालियर जीएनएस
दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन की प्रस्तावित महारैली में शामिल होने के लिए ग्वालियर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। रैली में ग्वालियर से हजारों कार्यकर्ता शामिल होंगे। उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ग्वालियर पूर्व विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में जीवाईएमसी गार्डन में बैठक आयोजित की गई।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित अनियमितताओं के विरोध में आयोजित की जा रही है। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव और पारदर्शी मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूत नींव है। मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया पर उठ रहे सवाल को लेकर खामोश नहीं रहा जा सकता।



उन्होंने कहा कि दिल्ली की महारैली लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जनआंदोलन का संदेश देगी। ग्वालियर पूर्व का प्रत्येक कार्यकर्ता

पूरी ताकत के साथ दिल्ली पहुंचेगा। राहुल गांधी के हाथ मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर रैली में शामिल होना है।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने कहा कि मतदाता सूची की निष्पक्षता बनाए रखना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। एसआईआर और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस लगातार आवाज उठा रही है। रैली में अधिकतम भागीदारी के लिए

ब्लॉक, वार्ड और बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

बैठक में प्रदेश प्रवक्ता राम पांडे, उत्तम सिंह कुशवाह, अवधेश कौरव, नाथूराम ठेकेदार, विनोद जैन, राजेश तोमर, अनूप शिवहरे, संदीप यादव, रामअवतार जाटव, केदार बरहादिया, सुरेंद्र साहू, प्रमोद खरे और अंकित कठुल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन डॉ. राकेश अग्रवाल ने किया।

शाल-श्रीफल भेंट कर किया सम्मानित, पीएफ की राशि बैंक खातों में पहुंचाई निगम सेवा से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मान के साथ दी विदाई

ग्वालियर जीएनएस
नगर निगम सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के सम्मान में शुक्रवार को जलविहार स्थित सभाभवन में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके भविष्य निधि (पीएफ) की राशि बैंक खातों में अंतरित की गई।



समारोह में संग्रहालय विभाग के चौकीदार नारायण सिंह जाटव, जनकार्य विभाग के श्रमिक अनूप कुमार सालूके, स्वास्थ्य विभाग के सफाई कामगार नरेश/सरमन, गीता/पातीराम एवं

भारतलाल/छोटे, लेखा विभाग के सहायक वर्ग-3 प्रेम नारायण सविता, विद्युत विभाग के वेताल सिंह यादव तथा विनियमित कर्मचारी फर्ताप खां/हर्फाज खां सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि मदन सोनी, सचिव बृजेश श्रीवास्तव, भागचन्द्र कुंदवानी सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवांकुर संस्था की सेक्टर स्तरीय कार्यशाला में गतिविधियों की समीक्षा, आगामी माह की बनाई कार्ययोजना

ग्वालियर जीएनएस
मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था सर्वे भवन्तु सुखिन समिति द्वारा 30 अक्टूबर को मुरार ब्लॉक के उटीला सेक्टर की सेक्टर स्तरीय प्रस्फुटन शक्ति संचय एवं प्रशिक्षण कार्यशाला ग्राम पंचायत बंधौली के पंचायत भवन में आयोजित की गई।



कार्यशाला में विगत माह की गतिविधियों एवं अभियानों की समीक्षा की गई। साथ ही कार्यक्रमों का प्रतिवेदन तैयार कर जमा करने के लिए प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष एवं सचिवों से आग्रह

किया गया। इस दौरान आगामी माह में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कार्ययोजना भी बनाई गई।

कार्यशाला की अध्यक्षता ब्लॉक समन्वयक श्रीमती प्रीति बाजपेई ने की। परामर्शदाता श्रीमती कल्पना तिवारी ने जन अभियान

परिषद द्वारा संचालित एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू पाठ्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार प्रजापति ने किया। इस अवसर पर प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य में होगा जिला स्तरीय समारोह ग्वालियर में एक नवंबर को हर्षोल्लास से मनेगा मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस

अग्रवाल परिचय सम्मेलन पांचवीं बार करेगा आयोजन 22 नवंबर को 500 बहनों को मिलेगा करवा चौथ अवार्ड, 1100 दीपों से मनेगा दीप महोत्सव

ग्वालियर जीएनएस
अग्रवाल परिचय सम्मेलन की ओर से इस वर्ष 22 नवंबर को पांचवीं बार करवा चौथ अवार्ड समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में 500 बहनों को करवा चौथ अवार्ड से सम्मानित किया

जाएगा। इसके साथ ही 1100 दीप प्रज्वलित कर दीप महोत्सव भी मनाया जाएगा।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि भारतीय संस्कृति में करवा चौथ का विशेष महत्व है। महिलाएं अपने पति की



लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए यह पर्व उत्साह के साथ मनाती हैं। अग्रवाल परिचय सम्मेलन वर्ष 2022 से लगातार इस अवसर पर महिलाओं को करवा चौथ अवार्ड देकर सम्मानित कर रहा है। इस वर्ष 22 नवंबर, रविवार को ग्वालियर में पांचवीं बार यह आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 1100 दीप प्रज्वलित कर दीप उत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर अग्रबंधु मां लक्ष्मी से व्यापार में प्रगति और परिवार की खुशहाली की कामना करेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वालों का होगा सम्मान

ग्वालियर जीएनएस
मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस एक नवंबर को ग्वालियर में उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य समारोह मेला परिसर में सांध्यबेला में आयोजित होगा। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

स्थापना दिवस समारोह में भारतीय परंपरा, जीवन मूल्यों और संस्कारों पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। समारोह स्थल पर प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं पर केंद्रित प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कलाकारों, नागरिकों और शासकीय सेवकों को सम्मानित किया जाएगा। कलेक्टर रुचिका

चौहान ने बताया कि समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों, जनप्रतिनिधियों, शहीदों के परिजनों, उद्यमियों, व्यवसायियों, समाजसेवियों, धर्मगुरुओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों, स्व-सहायता समूहों और स्टार्टअप प्रतिनिधियों सहित गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने जिलेवासियों से स्थापना दिवस समारोह में उत्साह और उमंग के साथ शामिल होने की अपील की है।

एकादशम् पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि
स्व. डॉ. मनोहर सिंह सोलंकी (पुष्पी मैवा)
कहें न कहें फिर भी आपके बिना जिन्दगी अधूरी रहेगी
रहें न रहें फिर भी आपकी याद दिल में हमेशा रहेगी
दिखें न दिखें फिर भी इन आँखों में नमी हमेशा रहेगी
हम जानते हैं फिर न मिल सकेंगे कभी मगर
आपसे मिलने की हसरत इस दिल में हमेशा रहेगी
दिनांक-31-10-2026
(श्रद्धांजलि)

कल्याण सिंह सोलंकी सरपंच (पनिहार) - श्रीमती उर्मिला सोलंकी (पिताजी-माताजी), लक्ष्मण सिंह सोलंकी, शंकर सिंह सोलंकी (चाचागण), श्रीमती विनीता सोलंकी (पत्नी), पदम सिंह-सपना देवी (भाई-भाभी), पृथ्वी सिंह-श्रीमती रुबी, जयंत सिंह - श्रीमती लक्ष्मी, सत्येन्द्र सिंह-श्रीमती सिमरन (अनुज-अनुज बहू), देवप्रताप सिंह, विधि बाईसा (पुत्र-पुत्री), रुद्रप्रताप सिंह, प्रियांशु प्रताप सिंह, यशप्रताप सिंह, सूर्यांशु प्रताप सिंह, अभयप्रताप सिंह, लोकप्रताप सिंह, भूपेन्द्र प्रताप सिंह, मनवीर प्रताप सिंह, देवांशी बाईसा (भतीजे-भतीजी)

कार्य - कल्याण सिंह सोलंकी मिक डेगन - सिंह होटल रेस्टोरेंट - मनोहर सिंह सोलंकी फिलिंग डेगन
- मै. मनोहर सिंह सोलंकी कंठहस्तन कंपनी - पुष्पी सिंह होटल एण्ड रेस्टोरेंट - एस. एस. होटल एण्ड रेस्टोरेंट
निवास - स्व. कल्याण सिंह सोलंकी फार्म हाउस ए.बी. रोड, पनिहार, ग्वालियर
मो - 8602891560, 9926282243, 8770832093, 9669650696

मध्यप्रदेश शासन

नगर पालिक निगम ग्वालियर

क्रमांक 1362/ज.प्र./न.पा.नि./2026

ग्वालियर, दिनांक 30.10.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीय प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट <http://mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्र./ जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026-UAD-530704-2	वार्ड क्रमांक 59 के सीवर समस्या ग्रस्त क्षेत्र सपना ब्यूटी पालेर से गुजर भवन तथा कबा कोन्वेन्ट स्कूल वाली गली में सीवरनेट नेटवर्क बिछाये जाने का कार्य।	35,59,061.88	5000/- 26,693/-	13.11.2026

नोट :- निविदा सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन <http://mptenders.gov.in> की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

आर.ओ. क्र. 706, दिनांक 30.10.2026

जल प्रदाय विभाग, 16-ग्वालियर पूर्व विधानसभा
नगर निगम, ग्वालियर